OUR PUBLICATIONS

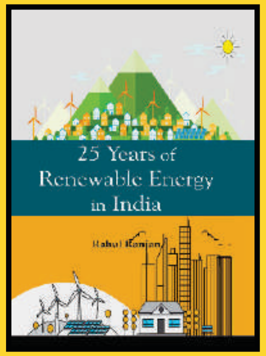

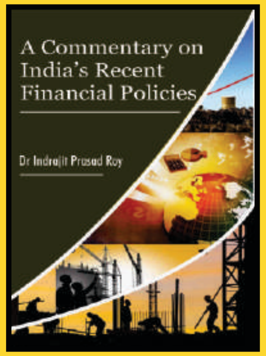

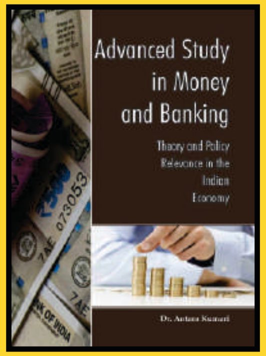

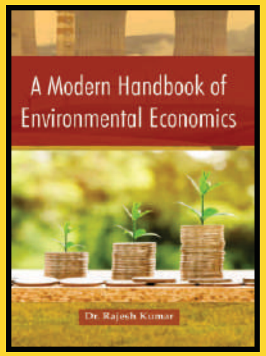

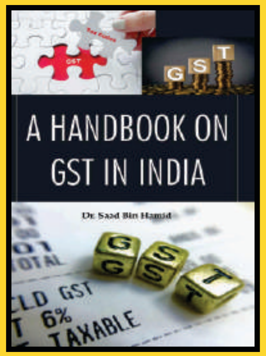

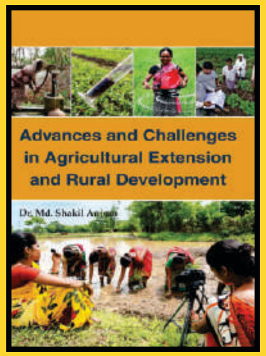

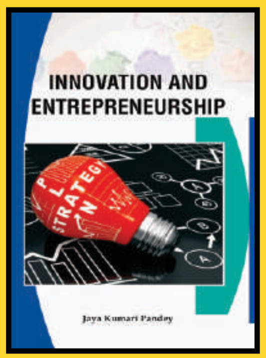

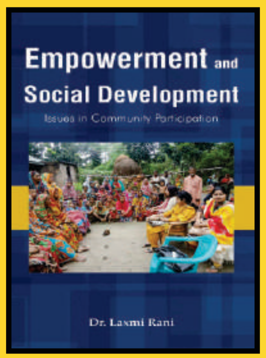

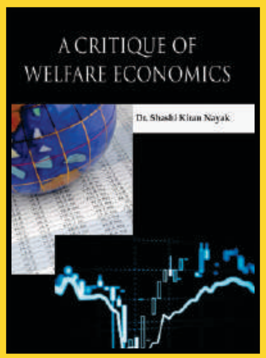

Globus Press
448, Pocket-V, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-110091 (INDIA)
Ph.: 011-22753916

ISSN 0975-119X
UGC-CARE GROUP I LISTED
वर्ष 12 अंक 6 नवंबर-दिसंबर 2020

दृष्टिकोण

कला, मानविकी एवं वाणिज्य की मानक शोध पत्रिका

India's Leading Refereed Hindi Language Journal

IMPACT FACTOR : 5.051

OUR PUBLICATIONS

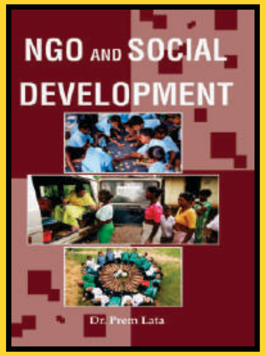

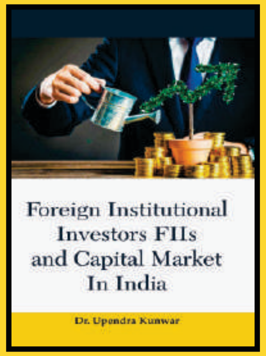

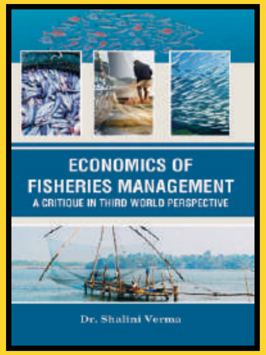

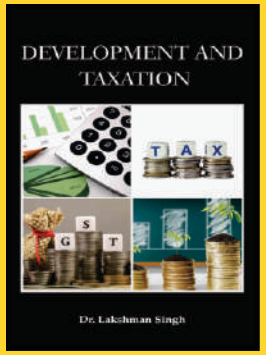

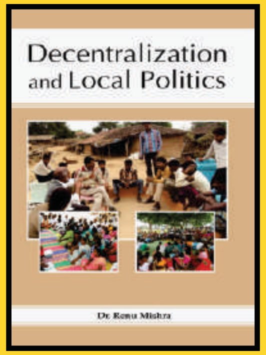

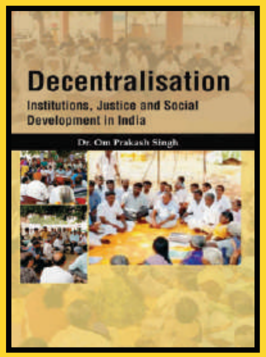

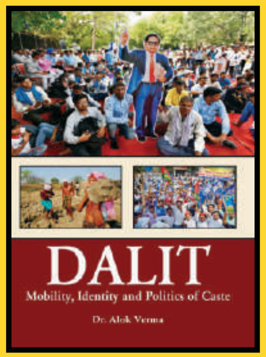

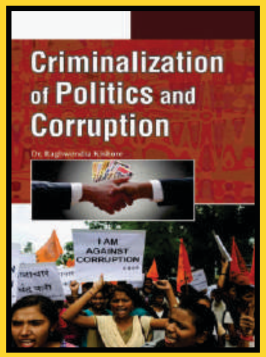

Globus Press
448, Pocket-V, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-110091 (INDIA)
Ph.: 011-22753916

OUR PUBLICATIONS

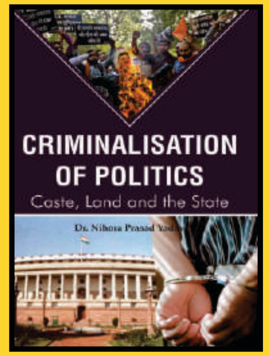

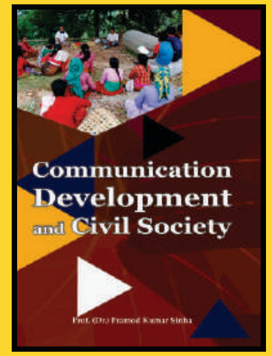

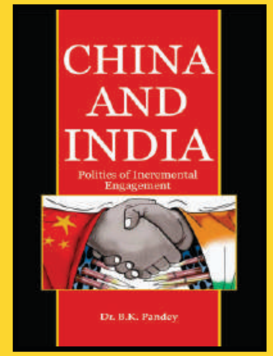

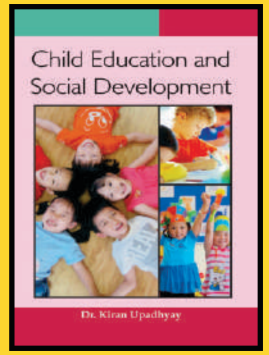

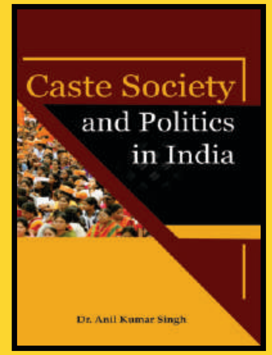

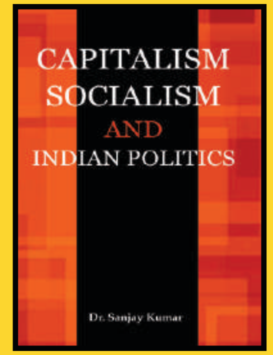

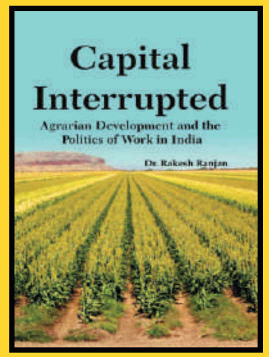

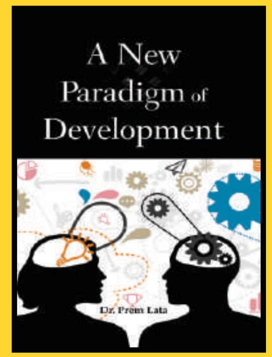

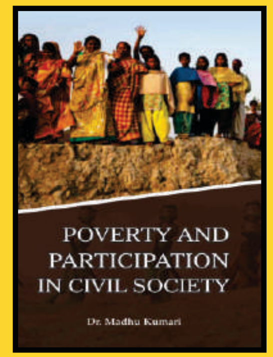

Globus Press
448, Pocket-V, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-110091 (INDIA)
Ph.: 011-22753916

दृष्टिकोण

कला, मानविकी एवं वाणिज्य की मानक शोध पत्रिका

प्रधान संपादक

डॉ. अश्विनी महाजन

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

संपादक

डॉ. प्रसून दत्त सिंह

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी

डॉ. फूल चन्द

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

दृष्टिकोण प्रकाशन

वर्ष : 12 अंक : 6 ❑ नवम्बर-दिसम्बर, 2020

दृष्टिकोण

संपादक मंडल

डॉ. अरुण अग्रवाल
ट्रेन्ट विश्वविद्यालय, पीटरबरो, ओंटारियो
डॉ. दया शंकर तिवारी
दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. आनंद प्रकाश तिवारी
काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी
डॉ. प्रकाश सिन्हा
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
डॉ. दीपक त्यागी
दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर
डॉ. अरुण कुमार
रांची विश्वविद्यालय, रांची
डॉ. महेश कुमार सिंह
सिद्धू कान्हू विश्वविद्यालय, दुमका
डॉ. हरिश्चन्द्र अग्रहरि
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा
डॉ. पूनम सिंह
बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर
डॉ. एस. के. सिंह
पटना विश्वविद्यालय, पटना
डॉ. अनिल कुमार सिंह
जे.पी. विश्वविद्यालय, छपरा
डॉ. मिथिलेश्वर
वीर कुंअर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
डॉ. अमर कान्त सिंह
तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर
डॉ. ऋतेश भारद्वाज
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. स्वदेश सिंह
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. विजय प्रताप सिंह
छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

संपादकीय सम्पर्क:

448, पॉकेट-5, मयूर विहार, फेज-I, दिल्ली-110091
फोन : 011-22753916, 35522994 Mobile: 9710050610, 9810050610
e-mail : editorialindia@yahoo.com; editorialindia@gmail.com; delhijournals@gmail.com
Website : www.ugc-care-drishtikon.com
©Editorial India
Editorial India is a content development unit of Permanence Education Services (P) Ltd.

ISSN 0975-119X

नोट: पत्रिका में प्रकाशित लेखकों के विचार अपने हैं। उसके लिए पत्रिका/संपादक/संपादक मंडल को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। पत्रिका से सम्बंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया कंपनियों का राजनीति में बढ़ता दखल

कुछ समय पूर्व यह विषय प्रकाश में आया कि कैम्ब्रिज एनालेटिका नाम की एक डाटा कंपनी ने 8.7 करोड़ लोगों के फेसबुक डाटा के आधार पर अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव अभियान में काम किया और ट्रंप की विजय में इस कंपनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रश्न यह है कि कैम्ब्रिज एनालेटिका को फेसबुक का डाटा कहां से मिला, तो यह बात स्पष्ट है कि वो फेसबुक कंपनी से ही प्राप्त किया गया। यूं तो फेसबुक कंपनी द्वारा अपने डाटा बेचने के कई साक्ष्य मिलते हैं, और फेसबुक के मालिक मार्क जुकेरबर्ग ने इस संबंध में माफी भी मांगी थी, लेकिन भविष्य में इस प्रकार के कृत्य की पुनरावृति नहीं होगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

वर्ष 2018 में यह बात सामने आई कि इसी कैम्ब्रिज एनालेटिका कंपनी ने भारत की कांग्रेस पार्टी के लिए फेसबुक और ट्विटर के डाटा का उपयोग कर 2019 के चुनावों के लिए मतदाताओं के रूझान को बदलने के लिए कार्य करने का प्रस्ताव रखा। इस कंपनी की बेवसाईट पर यह दावा भी किया गया था कि वर्ष 2010 के चुनावों में उसने बिहार चुनावों में विजयी दल के लिए काम किया था। राजनीतिक दलों के लिए चुनावों की दृष्टि से सोशल मीडिया कंपनियों के डाटा का दुरूपयोग एक सामान्य बात मानी जाने लगी है।

लेकिन हालिया अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव में इन सोशल मीडिया कंपनियों का दखल और अधिक सामने दिखाई देने लगा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लगभग सभी ट्वीटों पर ट्विटर कंपनी की टिप्पणी आ रही थी। इससे स्वभाविक तौर पर राष्ट्रपति ट्रंप के सभी बयानों को संदेहास्पद बनाने में इस कंपनी की खासी भूमिका रही। हाल ही में अमरीका में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्विटर एकाउंट सस्पेंड कर दिए जाने के कारण ट्विटर कंपनी बड़े विवाद का केन्द्र बन गई है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि इन सोशल मीडिया कंपनियों के पास इन प्लेटफार्मों को इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों की निजी जानकारियां काफी बड़ी मात्रा में होती हैं। ये कंपनियां उनके सामाजिक रिश्तों, जात-बिरादरी, आर्थिक स्थिति, उनकी आवाजाही, उनकी खरीदारियों समेत तमाम प्रकार के डाटा पर अधिकार रखती हैं और इस डाटा का उपयोग वे राजनीतिक दलों के हितसाधन में भी कर सकती हैं। ऐसे में वे प्रजातंत्र को गलत तरीके से प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि यदि सोशल मीडिया का उपयोग ईमानदारी से किया जाए तो उसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन यदि ये सोशल मीडिया कंपनियां राजनीति को प्रभावित करने का व्यवसाय करने लगे, तो दुनिया में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं ही नहीं बल्कि सामाजिक तानाबाना भी खतरे में पड़ जाएगा।

हालांकि ट्विटर कंपनी द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एकाउट को सस्पेंड करने के पीछे यह तर्क दिया जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के बयान अमरीका में शांतिपूर्वक सत्ता हस्तांतरण के लिए खतरा हैं, लेकिन कुछ समय पूर्व फ्रांस में एक समूह द्वारा हिंसक गतिविधियों को औचित्यपूर्ण ठहराने वाली मलेशिया के प्रधानमंत्री मोहातिर मोहम्मद की ट्वीट के बावजूद उनके ट्विटर एकाउंट को सस्पेंड न किया जाना दुनिया में लोगों को काफी अखर रहा है।

अत्यंत ताकतवर हैं ये टेक कंपनियां

गौरतलब है कि अकेले भारत में ही फेसबुक के 33.6 करोड़ से ज्यादा एकाउंट हैं, जबकि इस कंपनी द्वारा चलाई जा रही मैसेजिंग, वायस एवं वीडियो कॉल एप्लीकेशन के 40 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं। इसी प्रकार फेसबुक इंस्टाग्राम एप की भी मालिक है, जो फोटो और विडियो साझा करने की एक लोकप्रिय एप्लीकेशन है। इससे सीधा-सीधा अंदाज लगाया जा सकता है कि भारत की एक बड़ी जनसंख्या का निजी, आर्थिक एवं सामाजिक डाटा इस कंपनी के पास है। इसी प्रकार भारत में ट्विटर के लगभग 7 करोड़ और दुनिया में 33 करोड़ एकाउंट हैं। फेसबुक, व्हाट्एप, इंस्टाग्राम, ट्विटर, लिंकेडिन आदि सोशल मीडिया ऐप्स हालांकि मुफ्त में अपनी सेवाएं प्रदान करती हैं, लेकिन अपने बड़े डाटाबेस का उपयोग वे अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए करती हैं। इसी प्रकार सर्च इंजन चलाने वाली गूगल कंपनी भी अनेकों बार अपने लॉगरिथम का गलत इस्तेमाल करने की दोषी पाई गई है। आज भारत में विज्ञापन की दृष्टि से गूगल और फेसबुक सर्वाधिक आमदनी कमाने वाली कंपनियां बन चुकी है। इसी प्रकार अन्य कंपनियों के भी अपने-अपने बिजनेस मॉडल हैं। ये कंपनियां उपभोक्ताओं को काफी संतुष्टि भी प्रदान कर रही हैं, जिसके कारण उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है।

लेकिन इनकी बढ़ती लोकप्रियता और इन कंपनियों पर किसी भी प्रकार के अंकुश के अभाव में इन कंपनियों से समाज के तानेबाने को बिगाड़ने और लाभ के लिए कार्य करते हुए प्रजातंत्र को प्रभावित करने की केवल आशंकाएं ही नहीं बल्कि वास्तविक खतरे भी बढ़ते जा रहे हैं। गौरतलब है कि इन कंपनियों के कार्यकलापों और लॉगरिथम में पारदर्शिता का पूर्णतया अभाव है। और यह बात भी स्पष्ट है कि ये कंपनियां लाभ के उद्देश्य से काम करती हैं और अपने शेयर होल्डरों के लिए अधिकतम लाभ कमाने के लिए अग्रसर रहती हैं। इसलिए स्वभाविकतौर पर, चाहे कानून के दायरे में ही रहकर, ये कंपनियां लाभ

कमाने के लिए कुछ भी कर सकती हैं। चूंकि इलैक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया हाल ही में आस्तित्व में आया है, इसलिए विभिन्न देशों के कानून उनको नियंत्रित करने में स्वयं को अक्षम महसूस कर रहे हैं। ऐसे में किसी भी कानूनी बाध्यता के अभाव में ये कंपनियां सामाजिक और राजनीतिक तानेबाने और लोकतंत्र की भावनाओं पर चोट कर सकती हैं।

हाल ही में एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा ध्यान में आया जब चीन की कुछ मोबाईल एप्स अमानवीय एवं असमाजिक कृत्यों में संलग्न थी, तो भी उन्हें प्रतिबंधित करने में सरकार को कानून के अनुसार निर्णय लेने में लंबा समय लगा। हालांकि जनता में चीन के प्रति बढ़ते आक्रोश के चलते बड़ी मात्रा में ऐसी एप्स प्रतिबंधित कर दी गई हैं, लेकिन फेसबुक, व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम, ट्विटर इत्यादि एप्स पर अंकुश लगाना आसान कार्य नहीं होगा। ऐसे में इन कंपनियों द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को प्रभावित करने का खतरा हमेशा रहेगा।

क्या हो सकता है समाधान?

इन कंपनियों के संभावित खतरों के मद्देनजर चीन ने प्रारंभ से ही इन एप्स को अपने देश में प्रतिबंधित किया हुआ है और इन एप्स के मुकाबले में चीनी एप्स को विकसित किया गया है। फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर इत्यादि के उनके अपने ही विकल्प हैं। भारत भी ऐसा प्रयास कर सकता है कि चाहे इन सोशल मीडिया एप्स को जारी भी रखा जाए, लेकिन साथ ही साथ उनके विकल्प भी उपलब्ध हों। बड़ी संख्या में चीनी एप्स को प्रतिबंधित करने के बाद देश में भारत के ही स्टार्टअप्स के द्वारा अनेकों प्रकार के एप्स विकसित किए भी गए हैं।

इसी प्रकार सरकार सोशल मीडिया एप्स के द्वारा उनके डाटा के दुरूपयोग को रोकने के लिए डाटा संप्रभुता हेतु कानून बनाकर इन कंपनियों को पारदर्शी तरीके से अपने डाटा को भारत में ही रखने के लिए बाध्य कर सकती है। इन कंपनियों द्वारा डाटा माइनिंग को हतोत्साहित करते हुए भी लोगों के निजी डाटा के दुरूपयोग को कम किया जा सकता है। प्रौद्योगिकी विकास के इस युग में उपभोक्ता संतुष्टि के साथ-साथ देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को सुरक्षित रखना और सामाजिक तानेबाने को नष्ट करने के प्रयासों को रोकना यह सरकार की जिम्मेवारी है। इसके लिए इन सोशल मीडिया कंपनियों के प्रभावी नियंत्रण हेतु कानून बनाने के दायित्व से सरकारें विमुख नहीं रह सकती।

संपादक

इस अंक में

महिलाओं के मानवाधिकारों का सशक्तिकरण : संयुक्त राष्ट्र संघ के अभिसमयों का विवेचन–कुमारी वन्दना	1
स्वातंत्र्योत्तर नेहरूवादी राजनीति में पत्रकारिता का स्वरूप–निधि सिंह	4
जिला सरकार की परिकल्पना व अनुप्रयोग : एक विमर्श–राजू कुमार पाण्डेय	6
भारत में कोरोना संक्रमण काल के पर्यावरण पर प्रभाव एक भौगोलिक अध्ययन–डॉ० विजय कुमार वर्मा	9
पर्यावरण पर आधुनिक कृषि के प्रभावों का भौगोलिक विश्लेषण–हरि शंकर गुप्ता	16
धौलपुर में डांग क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम का मूल्यांकन–संजय सिंह राघव	20
वायु प्रदूषण का प्रभाव एवं संरक्षण एक भौगोलिक अध्ययन–महेश चन्द मीना	26
भारत में खाद्यान्न स्थिति एवं खाद्य सुरक्षा का भौगोलिक अध्ययन–डॉ० रितेश कुमार अग्रवाल	31
आओ पेपे घर चले: वैश्विक परिवेश में नारी–डॉ० अर्चना मिश्रा	36
गुरु नानक वाणी में प्रस्तुत पंजाबी संस्कृति : एक अध्ययन–अमृतपाल कौर	38
हिन्दी साहित्य एवं अनुवाद : अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ में–डॉ० (श्रीमती) कंचना सक्सेना; ऋतु वर्मा	41
कक्षा-कक्ष में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) (सम्भावनाऐं एवं चुनौतियां)–डॉ० कैलाश पारीक	44
मध्यकालीन भारत की शिक्षा व्यवस्था (1206-1707) एक ऐतिहासिक अध्ययन–प्रो० कार्तिक प्रसाद यादव	48
हरदोई जनपद के बिलग्राम तहसील का पुरातात्त्विक सर्वेक्षण–डॉ० श्याम प्रकाश	53
जनप्रतिनिधियों का राजनीति संस्कृति स्वरूप संबंधी विचार विमर्ष–डॉ० जितेन्द्र पाटीदार	61
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी साहित्य–डॉ० दिनेश्वर कुमार महतो	64
वर्तमान समय में ई-गवर्नेंस के माध्यम से ग्रामीण परिवेश का चहुमुखी विकास 'एक अध्ययन'–डॉ. कविता अग्रवाल; चन्दना शर्मा	66
सरोज स्मृति पर सम्यक् दृष्टि–डॉ० हरिश्चन्द्र अग्रहरि	69
हवेली संगीत एवं पंडित जसराज का अंत: संबंध–स्नेहा कुमारी	72
उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति के संदर्भ में वी-चित्रण (Vee Diagram) विधि की प्रभावशीलता का अध्ययन–लालजी यादव; डॉ० सुधांशु सिन्हा	75
भारत में कुपोषण एवं स्वास्थ्य - एक अध्ययन–डॉ० मनोज कुमार	81
ग्राम एवं किसान जीवन का यथार्थ : 'अकाल में उत्सव' उपन्यास के सन्दर्भ में–मन्नू देवी	85
मोहन सपरा की कहन-भंगिमा–प्रो० सुधा जितेन्द्र; आत्मा राम	88
महिलाओं के कौशल विकास में एन.जी.ओ. की भूमिका (झारखंड के बगोदर-सरिया अनुमंडल के संदर्भ में)–अरुण कुमार	93
स्वतंत्रता से पूर्व बद्री-केदार यात्रा मार्ग पर स्थित चट्टियाँ एवं उनका सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से ऐतिहासिक अध्ययन–ओम प्रकाश मनोड़ी	96
रमेश उपाध्याय की कहानियों में स्वातंत्र्योत्तर भारतीय समाज में नारी की स्थिति–मीनाक्षी; डॉ० सुमन राठी	101
गलवान के संदर्भ में भारत चीन सीमा पर गतिरोध एवं भारतीय सुरक्षा–डॉ० मनीष लाल श्रीवास्तव	104
प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857 ईस्वी) एवं अवध की रियासतें–डॉ० राजकुमार वर्मा	109
भाषा विकास–रवीन्द्र कुमार मिश्र	112
मध्य हिमालय के पशुचारण विवादों में लोकदेवताओं एवं खून्दों की भूमिका: एक ऐतिहासिक अध्ययन –डॉ० सुभाष चन्द्र; डॉ० राजपाल सिंह नेगी	115

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक व रोजगार के अधिकार का विश्लेषण–डॉ० ममता यादव; शिव प्रताप यादव 129
स्त्री विमर्श के विशेष सन्दर्भ में उपन्यास 'दुक्खम-सुक्खम'–सुरजीत कौर 133
रीवा संभाग मे कृषि भूमि उपयोग प्रतिरूप का भौगोलिक विश्लेषण–प्रो० शिव कुमार दुबे; सितेश भारती 136
शिक्षण के निमित्त अग्रिम व्यवस्थापक प्रतिमान पर आधारित अनुदेशन सामग्री का महत्व–अनुपम अग्रवाल; डॉ० बाबूलाल तिवारी 143
शुक्रनीति में सप्ताङ्ग् सिद्धान्त–डॉ० अनुजा सिंह 147
हिंदी साहित्य में मुशर्रफ आलम जौकी का योगदान–गुलशन समीना रियाज 151
गढ़वाल लोक देवताओ के प्रतीक चिन्हो का अध्यन: एक प्रारंभिक विवेचन–डॉ० सपना 154
व्यक्तित्व विकास और बालमनोविज्ञान: हिंदी उपन्यासों के संदर्भ में–डॉ० अमिता तिवारी 157
असमिया साहित्य की एक कालजयी रचना 'संस्कार': एक विवेचन–कुल प्रसाद उपाध्याय 161
जे. कृष्णमूर्ति के शैक्षिक चिंतन का विश्लेषण व वर्तमान प्रासंगिकता–डॉ० अनिता जोशी; डॉ० चन्द्रावती जोशी 164
मीराबाई की रचनाओं में प्रेम भावना–डॉ० जी० पद्मावती 169
आदिवासी बहुल क्षेत्र में उच्च शिक्षा की स्थिति (राजस्थान के डूंगरपुर, बांसवाड़ा व प्रतापगढ़ जिलों का अध्ययन)–डॉ० मुख्त्यार अली 173
न्यायपालिका का एक नवीन दृष्टिकोण : न्यायिक-सक्रियता एवं जनहित-वाद–चन्द्रभान सिंह 184
कोरोना से क्वॉरन्टीन् होती 'शिक्षा-व्यवस्था'–खुशबू साव 190
भारत में नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन: एक भौगोलिक विवेचन–अशोक कुमार; डॉ० सुधीर मलिक 193
भारत से पलायन: एक संक्षिप्त परिचय–किशलय कीर्ति; चन्दन कुमार 198
मध्यवर्ग का आत्मसंघर्ष और मोहन राकेश का साहित्य–डॉ० रतन कुमार 201
उपेक्षित जीवन की त्रासद गाथा :'मुरदा-घर'–गंगा कोइरी 206
मूल्य और शिक्षा–रवि कान्त 209
राष्ट्रीय काव्यधारा में मैथिली शरण गुप्त का स्थान–डॉ० भगत गोकुल महादेव 213
वैदिक वाङमय में वर्णित विभिन्न चिकित्सा पद्धतियाँ–डॉ० दीप्ति वाजपेयी; कु० सन्जू नागर 216
हिन्दी और लोकभाषाओं में लोकजीवन–डॉ० आस्था तिवारी 220
समकालीन उपन्यासों में व्यक्त थर्ड जेंडर का त्रासद जीवन–राज कुमार शर्मा 224
विजय जोशी के कथा साहित्य में बाल मनोवैज्ञानिक विश्लेषण–डॉ० गीता सक्सेना; श्रीमती सुमन डागर 228
रामचरितमानस का लोकपक्ष–डॉ० राजेश कुमार शर्मा 231
कालिदासस्य मालविकाग्निमित्रम्–डॉ० सुमन कुमारी 237
गिरीश पंकज का रचना संसार–अमनदीप कौर; डॉ० सुनील कुमार 241
गीतांजलि श्री के कहानी-संग्रह 'अनुगूँज' का अनुशीलन–बंधना सलारिया; डॉ० सुनील कुमार 248
लीलाधर मंडलोई का रचना-संसार–तजिंदर कौर; डॉ० सुनील कुमार 254
अध्यापक शिक्षा में रचनावादी सिद्धांत और व्यवहार का अध्ययन–नगनारायण उपाध्याय 262
प्राचीन भारतीय कला एवं साहित्य में योग : एक विश्लेषण–डॉ० मोहन लाल चढ़ार 266
हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में विसंगति निरूपण–चुन्नीलाल 273
21वीं सदी के हिंदी उपन्यासों में आर्थिक पक्ष : 'आदिवासी समाज' के विशेष संदर्भ में–अनिल कुमार; डॉ० रीता सिंह 276
गुरु नानक बाणी जपु तथा योग दर्शन : जीवन दर्शन के संदर्भ में–दविन्द्र सिंह 279
महिला खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धी व्यवहार और नेतृत्व व्यवहार की तुलना–डॉ० विकास प्रजापति; डॉ० अकांक्षा प्रजापति; डॉ० कपिल दवे 284
प्रातिशाख्य परम्परा में वाजसनेयी-प्रातिशाख्य का महत्त्व एवं वैशिष्ट्य–डॉ० बाबूलाल मीना 287

संस्कृत के प्रमुख पुराणों में पर्यावरण चेतना–डॉ० आशा सिंह रावत 290

स्वातंत्रोत्तर भारत की सामाजिक समरसता की चुनौतियाँ एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय का चिंतन–डॉ० हरबंस सिंह 296

ऑन लाईन शिक्षण एवं प्रभाव–डॉ० महेश कुमार शर्मा; डॉ० श्याम सुन्दर कौशिक 300

तुलसीदास के जीवन संबंधी विवादित विविध दृष्टिकोण (जन्म संबंधित विवादित मुद्दे)–डॉ० मंजुला 304

सन साठ के बाद की हिन्दी कविता में भाषा और संवेदना की अन्तः संगति–डॉ० रंजीत सिंह 308

लक्ष्मीनारायण मिश्र के नाटकों में सामाजिक आदर्श–डॉ० उमेश कुमार शर्मा 312

मोक्ष : मानव जीवन का परम लक्ष्य–डॉ० प्रिय रंजन 318

प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता का अभिभावकों के दृष्टिकोण से सर्वेक्षणात्मक अध्ययन (प्रयागराज जनपद के विशेष संदर्भ में) –डॉ० श्रवण कुमार; डॉ० गिरीश कुमार द्विवेदी 321

अलवर जिले में भूमि उपयोग एवं फ़सल प्रतिरूप का भौगोलिक अध्ययन–राजेन्द्र परेवा; डॉ० विजय कुमार वर्मा 326

भारत में उच्च शिक्षा का निजीकरण : एक अध्ययन–नागेश्वर कुमार 331

सवाईमाधोपुर ज़िले में जल संसाधनों का भौगोलिक अध्ययन–अंकुश मीना; डॉ० जगफूल मीना 337

प्राचीन नगरी मल्हार के स्थापत्य कला, मूर्तिकला एवं मृणमूर्तियों का ऐतिहासिक विश्लेषण–मंजू साहू; डॉ० रामरतन साहू 346

संत साहित्य पर आचार्य रजनीश (ओशो) की अभिनव दृष्टि–शाहिद हुसैन; डॉ० स्नेहलता निर्मलकर 350

भारतीय समाज में बढ़ती आर्थिक व सामाजिक विषमताओं के परिणामों एवम चुनौतियों के परिपेक्ष्य में एक अध्ययन–शुभ सेजवार 354

लॉक डाउन में भिवाड़ी के वायु प्रदूषण स्तर का भौगोलिक विश्लेषण–सत्यदेव 360

कोरोना महामारी से उपजी इंफोडेमिक में आरोग्य सेतु की भूमिका एवं स्थिति का अध्ययन–डॉ० अमरेन्द्र कुमार 364

"अंधा युग" में प्रतीकात्मकता–डॉ० राजेश्वरी सिंह तोमर 368

मानव तस्करी (बाल श्रम) से सम्बन्धित केसों का अध्ययन–सतीश कुमार 371

नवीन शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में पुस्तकालयों की भूमिका–डॉ० अर्चना शुक्ला 375

अमेरिका में नस्लीय भेदभाव का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य–योगेन्द्र प्रसाद शर्मा 379

बच्चों एवं महिलाओं के विकास में आंगनबाड़ी केंद्र की भूमिका–स्मिता कुमारी 382

बदलते नामो का स्वरूप (इतिहास एवं वर्तमान संदर्भ में)–किसलय कुमार शुक्ल 384

प्राचीन बिहार के बौद्ध महाविहार विक्रमशिला : एक संक्षिप्त अवलोकन–राहुल कुमार झा 386

रमेशचन्द्र शाह की कहानियों में समाज के पारम्परिक मूल्यों की प्रासंगिकता–कृपा शंकर 389

कमजोर होती कांग्रेस–अजय कुमार; अरबिंद कुमार 394

जयशंकर प्रसाद के आधुनिकता और दृष्टि निर्माण में नवजागरण की प्रासंगिकता–अखिलेश यादव 397

मौर्य काल में विभिन्न आक्रमणों के ऐतिहासिक प्रभाव का अनुशीलन–शारदा प्रसाद सिंह 400

चम्पूकाव्यस्य परिभाषा रम्यत्वं महत्वम्–दीपक कुमार महतो 402

विभिन्न स्कूल वातावरण में बच्चों में भाषायी अधिग्रहण का मनोवैज्ञानिक अध्ययन–ज्योतिमा पाण्डेय 407

नामघर: असमिया जाति की एकता व समता का प्रतीक–बिद्या दास 411

राष्ट्रीय एकता के लिए अनुवाद साहित्य का महत्व–डॉ० (श्रीमती) रेखा दुबे; श्रीमती अलका यादव 414

उत्तरी बिहार में कौशल विकास: दृष्टि और रणनीति–आलोक कुमार 417

विद्यालय शिक्षा में विद्यार्थियों की विज्ञान अभिरुचि विकसित करने की नव-प्रवृत्तियां–डॉ० महेश्वर गंगाधर कत्त्लावे 419

गांधी जी : एक दर्शन (वर्तमान परिप्रेक्ष्य में)–डॉ० सोनी यादव 423

'जूठन' - दलित जीवन का महाकाव्य–दिलना के 427

राजस्थानी समकालीन चित्रकार रामेश्वर सिंह का कला संसार–डॉ० इन्दु जोशी; कमल किशोर कश्यप 429
समकालीन ख़ौफ़ की सजीव अभिव्यक्ति : 'खुद पर निगरानी का वक़्त'–डॉ० नवनाथ शिंदे 433
मुगल शासकों के अधीन चीन, नेपाल, भूटान, बर्मा, श्रीलंका तथा अफगानिस्तान के साथ भारत के व्यापारिक सम्बन्ध –प्रो० (डॉ०) रामानन्द राम 438
सूचना क्रांति और बाजारवाद से बदल गई संसदीय पत्रकारिता–डॉ० हरीश चंद्र लखेड़ा 442
शासन का नवीन स्वरूप : ई-शासन और सुशासन–डॉ० अशोक कुमार 446
आचार्य गौडपाद की द्वन्द्व–न्यायात्मक तर्कणा-पद्धति–डॉ० सुमित कुमार 450
याज्ञवल्क्य-गार्गी-संवाद का दार्शनिक पक्ष–अभिलाशा कुमारी 453
लेखांकन अनुपात की परिकल्पना तथा वाणिज्य–रंजीत कुमार तिवारी 456
जयपुर के पर्यटन विकास एवं संरक्षण का भौगोलिक अध्ययन–शोभा शर्मा 458
हरियाणा के गुरुग्राम ज़िले में लैंगिक असमानता एवं खांप पंचायतों की भूमिका–इन्दु 464
सत्याग्रह का गांधीवादी परिप्रेक्ष्य और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता–डॉ० आशुतोष पांडेय 469
कश्मीर विलय के प्रश्न का कश्मीर समस्या में रुपान्तरण : एक पुनर्दृष्टि–अनुतोष कुमार 472
रामधारी सिंह दिनकर के कथा साहित्य में जीवन मूल्यों का महत्व–प्रदीप कुमार गुप्ता 476
समकालीन समय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका–डॉ. अश्वनी चौधरी 479
समकालीन स्त्री आत्मकथाओं में स्त्री विमर्श: मन्नू भण्डारी और प्रभा खेतान के विशेष संदर्भ में–रजनी जोशी 482
आदिवासियों के आर्थिक शोषण की समस्या और हिन्दी उपन्यास–डॉ० उमेश कुमार पाण्डेय 484
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक व राजभाषा हिंदी : नीति एवं प्रयोग–आरती शर्मा 487
तत्वों के आधार पर उपन्यास 'पुनर्नवा' का तात्विक विश्लेषण–डॉ. एस. प्रीति 495
अनुभव से अर्जित भावभूमि के कवि : संतोस श्रेयांस–डॉ० एस० रजिया बेगम 503
बिलासपुर जिले का ऐतिहासिक अध्ययन (बिलासपुर रेलवे जोन आंदोलन के विशेष संदर्भ में) –श्रीमती हंसा तिवारी; डॉ. अंजू तिवारी 505
नव सहस्राब्दि में हिंदी तथा राजभाषा के रूप में उसकी स्वीकृति–हेमंत कुमार यादव 508
गुरु नानक साहिब जी का जीवन-वित्तांत: कवि वीर सिंह बल रचित ग्रंथ 'गुरकीरत प्रकाश' के विशेष संदर्भ में–गुरमिंदर सिंह 511
दलित आंदोलन: राजनीतिक और सामाजिक संदर्भ में गांधी और अम्बेडकर का दृष्टिकोण–काजल 516
अलवर ज़िले में ग्रामीण विकास योजनाओं का अध्ययन–प्रदीप कुमार; डॉ० अनीता माथुर 518
राजस्थान के बाड़मेर जिले में ग्रामीण मानव अधिवासों का वितरण–जसराज 522
शानी के उपन्यासों में नारी चेतना–सोनिका कौशल 527
लोहिया और आर्थिक दशर्न–डॉ० मोहित कुमार लाल 529
कर्ण सिंह 'कर्ण' की काव्य शैली और काव्य सौन्दर्य–डॉ० जे० आत्माराम 532
दलित उत्पीडन का दस्तावेज–डॉ० रतिका पंचारपोयिल कोट्टायी 536
वर्तमान समय में आपदा चुनौतियों के प्रबंधन में समाजकार्य क्षेत्र की प्रासंगिकता–डॉ० शिवसिंह बघेल; डॉ० सुशील कुमार पाण्डेय 538
सामाजिक न्याय एवं वाल्मीकि जाति : हरियाणा के नूंह जिले के विशेष सन्दर्भ में–दीपक 541
स्वामी महावीर के शिक्षाओं की वर्तमान में प्रासंगिता–प्रो० रश्मि मेहरोत्रा; ऊषा यादव 546
हिन्दी उपन्यास की सुदीर्घ परम्परा और स्त्री लेखिकाएँ–डॉ० सुरेन्द्र सिंह; डॉ० यदुवीर सिंह खिरवार 549

'मृदुला गर्ग की कहानियों में समकालीन नारी' ''समकालीन कहानी का अस्तित्व''–मंजू कुमारी 552

बहुजन उपन्यास में बदलता परिवेश–डॉ० राजेंद्र घोडे 554

अनामिका : व्यक्तित्व और कृतित्व–स्वर्णिम शिप्रा 556

नेपाल में चीन के बढ़ते कदम: भारत के परिपेक्ष्य में–आशुतोष कुमार 559

मनुस्मृति के परिप्रेक्ष्य में नारी विमर्श–डॉ० ईशरत सुल्तान 563

हिन्दी कथा साहित्य में पूंजीवादी व्यवस्था एवं पृष्ठभूमि–डॉ० प्रदीप कुमार सिंह 566

मार्गदर्शक तुलसीदास–रघुनन्दन हजाम 580

भारत में नव-उदारवादी आर्थिक नीतियों का उद्‌भव एवं विकास–डॉ० राहुल देव 583

संत सुंदरदास और उनका 'सुन्दरविलास'–वीरेश कुमार 588

आचार्य राम चंद्र शुक्ल का हिंदी में विज्ञान सम्बन्धी चिंतन में योगदान (विश्व प्रपंच की भूमिका के सन्दर्भ में)
–सुजीत कुमार त्रिपाठी 'पुरकैफ' 590

बिहार में राष्ट्रीय तथा प्रादेशिक महत्व के कारण पर्यटन स्थलों का विकास–मनु कुमार; डॉ० राधेश्याम सिंह 593

वैश्विक एकता और अखंडता की अभिलाशी प्रवासी कविताएं (सुरेशचन्द्र शुक्ल के 'गंगा से ग्लोमा तक' का संदर्भ)
–प्रो० (डॉ.) सुधा जितेन्द्र; रमनदीप कौर 597

असम में कोरोना महामारी : साहित्य और सोशल मीडिया–मिजानुर हुसैन मण्डल 603

जम्मू कश्मीर के पुराणों का महात्म्य–मीना कुमारी 606

रहस्यवादी कवि नुन्द ऋषि के श्रुकों का भाषावैज्ञानिक परिचय–परवेजा अखतर 611

सामाजिक अनुसंधान तथा तकनीकी विकास–डॉ० अनुराग कुमार पाण्डेय 615

दक्षिण एशिया क्षेत्र में ड्रग्स और छोटे हथियारों की तस्करी–मिथिलेश; डॉ० शकील हुसैन 619

मौर्य काल से वर्तमान काल तक यक्ष पूजा : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन–प्रो० देवेन्द्र कुमार गुप्ता; अवधेश कुमार 623

बूंदी जिले के बरड़ क्षेत्र में खनन उद्योग का आर्थिक-सामाजिक पर्यावरण पर प्रभाव–जुगराज मीना 626

गोलमेज सम्मेलन : दलित सामाजिक समस्या एंव राजनीतिक अधिकारों का एक अध्ययन–सुरेन्द्र 631

भारत छोड़ो आंदोलन में छत्तीसगढ़ के सतनामी समाज की भूमिका–श्रीमती अनिता बरगाह; डॉ० राजीव शर्मा 634

हरियाणा के सिरसा जिला में भूमि किराया अधिनियम एवं कृषि परिवर्तन (1803-1900)–सुरेन्द्र सिंह 638

शाही नौसैनिक विद्रोह (1946) व उच्चवर्गीय भारतीय नेताओं का रवैया–मोहन लाल 642

भारत -रूस संबध : सामरिक संबंधो का 21 वीं शताब्दी के संदर्भ में एक अध्ययन–डॉ० रणबीर गुलिया; अमित कुमार 646

संपोशणीयता की दृष्टि का भारतीय आधुनिक दृष्य कला में प्रयोग: एक विवेचन–अर्जुन कुमार सिंह; अमित कुमार दास 650

भारत के मुकाबले चीन का नेपाल में बढ़ता प्रभाव : एक अध्ययन–सत्येन्द्र कुमार 657

महिला सशक्तिकरण में लोकनीति का योगदान–सीमा 660

पर्यावरण-संरक्षणम्–डॉ० मधु बाला मीना 663

अलवर मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र का विकास एवं सम्भावनाएँ–प्रतिभा बैरवा 667

भारत में मेक इन इण्डिया की अवधारणा और आर्थिक विकास का सन्दर्भ–प्रोफेसर (डॉ०) संजय कुमार झा 672

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नये दिशा निर्देश पी.एच.डी. शाोध उपाधि के सन्दर्भ में–डॉ० संजीत कुमार साहू;
डॉ० राकेश कुमार डेविड; डॉ० शोभना झा 676

राष्ट्रीय आन्दोलन में सुभाष चन्द्र बोस की भूमिका–संतोष कुमार शर्मा 680

ब्रिटिश कालीन भारत में कृषक समस्या (चंपारण के विशेष संदर्भ में)–प्रभाव और परिणाम–धीरज कुमार 684

वैश्विक महामारी एवं मानसिक स्वास्थ्य संकट मनोविज्ञान की भूमिका एवं मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेपों की आवश्यकता–डॉ० रश्मि पंत 689

नीमराना में ठोस अपशिष्टों का भौगोलिक अध्ययन–अरविन्द शुक्ला; डॉ० खेमचन्द शर्मा 693
अवश्यमेव भोक्तव्यं कृतं कर्म शुभाशुभम् (शि.पु. को. रू. सं. के संदर्भ में)–डॉ० गोपेश कुमार तिवारी 698
महिला रोजगार पर शिक्षा का प्रभाव: एक प्राथमिक विश्लेषण–डॉ० अरविन्द कुमार 701
यौगन्धरायण में सांस्कृतिक दर्शन–डॉ० वेद प्रकाश मिश्र; श्रीमति नगीता सोनी 705
भारत में जनसंख्या नियंत्रण नीति : एक सामाजिक-विधिक अध्ययन–रमेश कुमार प्रजापति 709
'हिन्द स्वराज' में वर्णित विचारों का आज के भारत के लिए प्रासंगिकता–राजेश कुमार 714
राजस्थान में राजनीतिक दलों की सहभागिता एवं प्रदर्शन–डॉ० जनक सिंह मीना 717
भारत-मालदीव समकालीन द्विपक्षीय संबंध–विजय शंकर चौधरी 724
स्वतन्त्रता के बाद गोरखपुर में हिंदुत्व का प्रसार और सहायक संस्थाए–प्रमोद कुमार पाण्डेय 728
कांमा तहसील में अवैध खनन एवं पर्यावरण पर प्रभाव–चन्द्र शेखर; डॉ० गायत्री यादव 732
प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता मिशन का ग्रामीणों के उत्थान में योगदान–डॉ० पंकज मिश्र 737
छायावादी कविता में राष्ट्रीय चेतना–डॉ० आलोक प्रभात 740
भारतीय लोकतंत्र में सोशल मीडिया का प्रभाव: गैर-हिंदी भाषी राज्यों के विशेष संदर्भ में–डॉ० संजय सिंह बघेल 743
सार्वजनिक वितरण प्रणाली, चुनौतियों और समाधान–जलेंद्र कुमार शर्मा 752
यज्ञानुष्ठान में वेदांगों की उपादेयता–कुमुद कुमार पाण्डेय 759
पहाड़ी अंचल में बसी काँगड़ा चित्र शैली का विकासक्रम–डॉ. निशा गुप्ता 765
प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति में पाठ्यक्रम व्यवस्था–डॉ० सुनीता 769
श्रीमद्भागवद्गीता में वर्णित नैतिक शिक्षा–डॉ० सरोज कुमार जायसवाल 774
ज्योतिबा फुले के कार्यों में मानवतावादी चिंतन–डॉ० अजय बहादुर सिंह 777
उत्तर आधुनिकता के परिप्रेक्ष्य में अलका सरावगी का उपन्यास 'एक ब्रेक के बाद'–निशा रानी 781
भारत में कोरोना और स्वदेशी संकल्प–डॉ० युवराज कुमार 784
'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में नारी (आधुनिकता के विशेष संदर्भ में)–संगीता कुमारी पासी 790
विकास के क्रम में भारतीय समाजशास्त्र–डॉ० दिनेश व्यास; डॉ० गौरव गोठवाल 793
माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के समायोजन का अध्ययन–प्रेरणा सेमवाल 798
सभ्य समाज की असभ्य सोच-चीफ की दावत–मीनाक्षी शर्मा 805
मकराना शहर में खनन एवं औद्योगिक गतिविधियों से बढता ध्वनि प्रदूषण: एक चुनौती–निशा चौधरी; डॉ० रश्मि शर्मा 807
वेदों के विषय में आचार्य सायण एवं महर्षि दयानन्द का दृष्टिकोण–सुनील कुमार 813
वैश्विक महामारी : समावेशी विकासीय परिप्रेक्ष्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन (अनुसूचित जातियों के विशेष संदर्भ में)–डॉ० चन्द्रा चौधरी 818
सार्त्र और मार्क्सवाद : एक समीक्षात्मक अध्ययन–श्याम रंजन पाण्डेय 823
अश्विनीकुमार : एक कथा–डॉ० नीलम सिंह 826
कोविड-19 और भारतीय शिक्षण प्रणाली में बदलाव-एक अध्ययन–डॉ० राजेश्वर दिनकर रहांगडाले 828
ग्रहण का वैज्ञानिक स्वरूप–डॉ० भगवानदास जोशी 831
राहुल सांकृत्यायन की कहानियों में अभिव्यक्त समाज : एक विश्लेषण–डॉ० कश्मीरी लाल 836
सामाजिक अवमूल्यन में पत्रकारिता की भूमिका–प्रो० (डॉ०) अरुण कुमार भगत; प्रो० अमिताभ श्रीवास्तव 839
सूफी काव्य में सृष्टि का सौंदर्य और प्रेम चित्रण–डॉ० दिलीप कुमार कसबे 843
भारत-पाकिस्तान संबंध एवं आतंकवाद–डॉ० सुरेन्द्र सिंह 846

बुद्धिमता के खोखले अहं में पनपते विमोह का यथार्थ चित्रण : आपका बंटी–डॉ० लवलीन कौर 852
कुमाऊँ मण्डल के पर्वतीय क्षेत्रों में प्रवासी श्रमशक्ति की व्यवसायिक गतिविधियां (एक सामाजिक विश्लेषण)–विजेता पवार 857
आधुनिक दलित साहित्य की चेतना और प्रेमचंद के साहित्य में निहित दलित चेतना : एक तुलनात्मक अध्ययन–प्रांजल कुमार नाथ 861
मिथकीय चेतना : अर्थ, परिभाषा और अवधारणा–सचिन मदन जाधव 865
क्षेत्रीय भू-राजनीति एवं भू-आर्थिक आयाम का सैद्धांतिकीय विश्लेषण–रत्नेश कुमार यादव 869
भरतपुर ज़िले में जल जनित रोगों में मलेरिया का तुलनात्मक अध्ययन–देवेन्द्र कुमार शर्मा 874
समकालीन भारत के संदर्भ में एकात्म मानववाद–मुनमुन 881
रचनात्मक अभिव्यक्ति और जैनी मेहरबान सिंह–डॉ० राम बिनोद रे 885
कोशी अंचल की लोक कथाओं का विश्लेषण–विनय कुमार चौधरी 888
अन्य पिछड़ा वर्ग के सर्वांगीड विकास हेतु किए गए सरकारी प्रयासों का समाजशास्त्रीय मूल्यांकन–मनोज कुमार वर्मा 892
मासिक धर्म से संबंधित समस्याओं का यौगिक चिकित्सा व प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा प्रबंधन–डॉ० राधिका चन्द्राकर; डॉ० सावित्री साहू; श्री आशीष धार दीवान; सुश्री मालती बाग 895
राजेंद्र यादव का आत्मकथ्यांश 'मुड-मुड़के देखता हूँ...': वैचारिक पक्ष–डॉ० साताप्पा लहू चव्हाण 901
कालिदास के रूपकों में प्रमुख पुरुष-पात्रों की विनियोजना का वैशिष्ट्य–सुस्मिता रानी 904
राही मासूम रज़ा के हिन्दी उपन्यासों में लोकजीवन–ईश्वर चन्द्र 908
भारत छोड़ो आंदोलन एक जन-विद्रोह–लव कुमार 912
संयुक्त प्रान्त में रेलवे के विकास के सामाजिक प्रभाव (1860-1914)–रमेश कुमार 916
कैमूर जिला में सरकारी योजनाओं का महिला साक्षरता पर प्रभाव–रीता कुमारी 920
राष्ट्रीय आंदोलन में सत्य अंहिसा के पुजारी महात्मा गाँधी: एक अध्ययन–डॉ० संजीव 924
सुभाषचन्द्र बोस के राजनीतिक विचारधारा पर महात्मा गाँधी के प्रभाव का ऐतिहासिक अध्ययन–तौकीर आलम 926
राजनीतिक दलों का लोकतांत्रिक व्यवस्था में समीक्षात्मक अध्ययन–डॉ० लवलेश कुमार 930
भारत में हरित क्रांति का एक संक्षिप्त मूल्यांकन–अनूप कुमार सिंह 932
गाँधी : मनुष्य से महात्मा–डॉ० दिग्विजय नाथ चौबे 936
वैश्वीकरण एवं भारत की पर्यावरण नीति: एक अनुशीलन–सुनीता महतो 939
अहिंसा......... एक दृष्टि–डॉ० मोनिका गर्ग; डॉ० हिमानी भाटिया 944
अठारह सौ सत्तावन की क्रांति में दलित महिलाओं की सक्रिय भूमिका- एक ऐतिहासिक अध्ययन–बबली कुमारी 947
स्वतंत्रता संग्राम में मौलाना आजाद की पत्रकारिता की भूमिका : 'अल-हिलाल' के विशेष संदर्भ में–रूखसाना बानो 951
उस्ता कला (16वीं से 19वीं शताब्दी के मध्य)–मरियम बानो 955
दरोगा प्रसाद राय एवं बिहार का नेतृत्त्व–दिवा कान्त किरण 957
आदिवासी बहुल क्षेत्र में उच्च शिक्षा की स्थिति (राजस्थान के डूंगरपुर, बांसवाड़ा व प्रतापगढ़ जिलों का अध्ययन)–डॉ० मुख्त्यार अली 960
वर्तमान परिवेश में निर्देशन की आवश्यकता–सरोज कंवर राठौड; प्रो० मंजू शर्मा 971
दर्शन शास्त्र के स्तम्भत्रय (ज्ञानयोग तथा ज्ञानोपलब्धि के विशेष सन्दर्भ में)–उमेश कुमार; डॉ० अरुण कुमार सिंह 976
ज़िन्दगी 50-50 : अपूर्णता से पूर्णता की तलाश–डॉ० निशा जम्वाल 981
आर्थिक विकास की गांधीवादी परिकल्पना और लघु कुटीर उद्योग–डॉ० राजेश कुमार 983
स्वच्छंदतावाद का सैद्धान्तिक विवेचन–डॉ० सरिता 985
हिंदी उपन्यास साहित्य में चित्रित पूर्वोत्तर का राजनीतिक जीवन–संजीव मण्डल 988

बाल अपराध के निवारण में बाल संप्रेक्षण गृह की भूमिका (बिलासपुर जिले के संदर्भ में)–विकास मरकाम; डॉ० रीना तिवारी 997
कोरबा जिले के आदिवासियों द्वारा विभिन्न लघु-वनोपज के संग्रहण करने एवं विक्रय की प्रक्रिया का अध्ययन
–प्रिंस कुमार मिश्रा; प्रो० प्रभाकर पाण्डेय 1003
ज्योतिष के वैज्ञानिक तत्व की प्रमाणिकता : एक अध्ययन–गणेश प्रसाद तिवारी; प्रो० वेद प्रकाश मिश्र 1008
ग्रामीण स्वास्थ्य: सुविधाएं, समस्याएं एंव चुनौतीयों का एक अध्ययन (ग्राम चिनौरी कांकेर जिले के संदर्भ में)
–मंजरी ग्वाले–डॉ० रीना तिवारी 1014
अनुसूचित जनजातियों में रोजगार, स्वास्थ्य एवं शिक्षा की स्थिति का आंकलन–डॉ० सरला चतुर्वेदी; इम्तियाज खाँन 1039
अनुसूचित क्षेत्रों के विकास में पेसा की भूमिका अलोचनात्मक अध्ययन (नारायणपुर जिले के संदर्भ में)
–डॉ० ऋचा यादव; सुदर्शन कुमार मण्डल 1044
कोरोना ने भारतीय अर्थव्यवस्था को दिया झटका–डॉ० अनामिका तिवारी 1049
पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जनपद में भारत छोड़ो आन्दोलन–डॉ० रितेश्वर नाथ तिवारी 1054
मनोविज्ञान पर दर्शनशास्त्र का प्रभाव–मनीष कांत; शशि शेखर द्विवेदी 1058
महिला सशक्तिकरण: आर्थिक सशक्तिकरण–डॉ० समरेंद्र शर्मा 1062
वेदों में विश्वबंधुत्व की भावना–तरूण कुमार सिंह 1065
विष्णु प्रभाकर के नाटकों में नारी का स्वरूप–स्मिता शर्मा; डॉ० चित्रा 1068
जलवायु परिवर्तन का कृषि पर का प्रभाव–प्रविण कुमार एम. लोणारे 1071
भारतीय राजनीति में महिलाओं की सहभागिता : एक अध्ययन–प्रा० एच० पी० पारधी 1074
महर्षि दयानन्द सरस्वती और दीनदयाल उपाध्याय के चिन्तन में समरूपता का अध्ययन–डॉ० संजय कुमार; डॉ० प्रमोद कुमार 1076
महिला सशक्तीकरण में उच्च शिक्षा का योगदान–श्वेता पांडे 1084
वर्तमान सामाजिक गतिशीलता में व्यक्ति तथा समाज के अंतरसंबंधों का एक ऐतिहासिक अध्ययन–डॉ० विधान चन्द्र भारती 1090
कन्या भ्रूण हत्या : भारत की एक गम्भीर समस्या–भूपेन्द्र प्रताप सिंह 1095
निजी विद्यालयों पर वैश्विक महामारी के (कोविड-19) प्रभाव का अध्ययन: सरदारपुर तहसील के विशेष सन्द्रर्भ में–डॉ० डुंगरसिंह मुजाल्दा 1103
प्राचीन भारतीय समाज में प्रचलित विवाह पद्धति एवं वैवाहिक विधि-विधानों का एक ऐतिहासिक अध्ययन–सम्पत्ति; प्रो० डी०पी० सकलानी 1110
अमरकंटक परिक्षेत्र के विकास में कृषि का योगदान : एक ऐतिहासिक अध्ययन–निर्मला तिवारी; डॉ० रीता पाण्डेय; प्रो० आभा रूपेंद्र पाल 1115
अल्पसंख्यक समुदाय का मतदान व्यवहार वर्तमान परिप्रेक्ष्य में–रेणु सिंग; डॉ० संगीता घई; डॉ० अजय चंद्राकर 1122
कश्मीरी आदि कवयित्री ललद्यद और उनका रहस्यवाद–दीपिका शर्मा 1126
पर्यावरण संरक्षण की वैदिक दृष्टि–डॉ० दीप्ति वाजपेयी; कु० मोनिका सिंघानिया 1129
भारतीय नागरिकों के मूल अधिकार, निदेशक तत्त्व और मूल कर्तव्य–प्रतिभा सिंह 1133
गाजीपुर जनपद में प्राकृतिक आपदाओं का सामाजिक एवं आर्थिक दशाओं पर प्रभाव–कौसर नाजमी 1136
छत्तीसगढ़ के लोक-जीवन में राम–डॉ० राजेश दुबे; डॉ० (श्रीमती) शैल शर्मा; ज्योतिबाला साहू 1139
भारतेंदुयुगीन साहित्य पर भारतेंदु हरिश्चंद्र का प्रभाव–डॉ० अपराजिता जॉय नंदी 1142
उपभोक्तावाद, आर्थिक विकास से उत्पन्न होने वाली एक सामाजिक समस्या–डॉ० जयराम बैरवा 1145
उपसंहार : अंत ही मानवता का आरंभ–प्रीति पाण्डेय 1150
हिंदी के आदिवासी केंद्रित उपन्यासों में चित्रित नारी जीवन–डॉ० मालोजी अर्जुन जगताप 1155
"ग्रामीण महिलाओं की पंचायती राज में भूमिका"–डॉ० संजय बुदेला; किरण कुमारी 1158
छात्रों की अध्ययन संबंधी आदतों पर पारिवारिक व सामाजिक वातावरण का प्रभाव–डॉ० मंजू शर्मा; मनु सिंह 1161
"एक राष्ट्र, एक चुनाव": विश्लेषणात्मक अध्ययन–खुशबू गोस्वामी; प्राफेसर (डॉ०) सपना गहलोत 1166

बालिका शिक्षा के विकास में आवासीय शिक्षण शिविरों की भूमिका–प्रो० (डॉ०) मंजू शर्मा; टीना चौधरी 1173
भारत में थर्ड जेंडर स्थिति : बेहतर और बदत्तर?–दिव्या 1179
स्वच्छता पर गाँधीवादी दृष्टिकोण–गुलशन कुमार 1183
मानवाधिकार एवं महिलाऐं : राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में–समिधा सिंह 1186
डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर के राजनीतिक विचारों का परीक्षण–फरीद आलम 1189
समकालीनता के परिप्रेक्ष्य में अनु मेहता की कविताएँ–डॉ० अरविन्द कुमार यादव 1192
स्थानीय स्वशासन में महिलाओं की सहभागिता–डॉ० संध्या जायसवाल; विनीता गुप्ता 1197
भारतीय नयी शिक्षा नीति (2020) में गांधी–देवेन्द्र कुमार 1203
लैंगिक असमानता की समस्या और मैत्रेयी पुष्पा की कहानियाँ–डॉ० गुलाम फरीद साबरी 1205
द्वारिका प्रसाद तिवारी "विप्र" के काव्य में गांधीवाद का प्रभाव–डॉ० गौकरण प्रसाद जायसवाल 1208
वर्तमान व्यावसायिक परिदृष्य में ई-कामर्स की उपयोगिता–डॉ० दिलीप कुमार गुप्ता 1213
असहयोग आंदोलन में डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की भूमिका–मो० फिरोज अंसारी 1218
भारतीय संस्कृति एवं एकात्म अर्थ चिंतन–प्रो० शिवदयाल सिंह; धीरज कुमार पारीक 1220
विद्यार्थियों के लक्ष्य निर्धारण में आकांक्षा स्तर की उपादेयता–मधु गुप्ता; डॉ० रेखा शुक्ला 1223
छिन्नमस्ता: अस्तित्व एवं अस्मिता की तलाश–नम्रता; डॉ० प्रभात रंजन 1228
भूमण्डलीकरण के दौर में गाँव : 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास के संदर्भ में–डॉ० रम्या बालन० के 1231
शेखावाटी के पर्यटक स्थल एक भौगोलिक अध्ययन–डॉ० विनोद कुमार सैनी 1235
हरियाणा में प्राथमिक कार्यो में लैंगिक विषमता: एक प्रादेशिक विश्लेषण–डॉ० विजय प्रकाश 1239
इतिहास के दृष्टिकोण से साहित्य, मनोविज्ञान और वाणिज्य का अवलोकन–डॉ० स्नेहलता सिंह 1245
भूमंडलीकरण और नई कहानीकार–अनवर खान; डॉ० बी०एन० जागृत 1248
गांधीवादी राज्य : भारत में एक विकल्प–सुभाष चन्द उपाध्याय 1250
नई शिक्षा नीति 2020 और दिव्यागंता–डॉ० रितेश सोलंकी 1254
वर्तमान संदर्भ में बच्चे के पालन-पोषण में माता-पिता की भूमिका : एक सामान्य विश्लेषण–संजीव कुमार 1261
झुग्गी झोपड़ियों में शैक्षिक समस्याएं एवं चुनौतियाँ : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन–डॉ० मानस उपाध्याय 1264
जैनेन्द्र के उपन्यासों में जीवन दर्शन एवं उसका महत्व–आशीष यादव 1269
मरिआई : महाराष्ट्र के विशेष संदर्भ में ऐतिहासिक अध्ययन–डॉ० अतुल अर्जुन ओहाल 1271
हिन्दी साहित्य में मीडिया का बदलता स्वरूप–मीनाक्षी सिंह 1273
रहीम और तुलसी रचित नीति के दोहों की प्रासंगिकता–डॉ० निर्मल चक्रधर 1276
भारतीय जीवन – मूल्य : विदेशियों की दृष्टि–डॉ० सुप्रिया पी० 1280
यात्रा-वृत्तान्त में पाकिस्तान का साक्ष्य (चयनित यात्रा-वृत्तान्तों के संदर्भ में)–स्मृतिरेखा नायक 1282
विष्णु प्रभाकर के नाटकों में नारी का स्वरूप–स्मिता शर्मा; डॉ० चित्रा 1287
मोहन राकेश के नाटकों के नायक–प्रा० डॉ० विजया जगन्नाथ पिंजारी शिंदे 1290
विशिष्ट भौतिक विकास और व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए विशेष योजनाओं में छात्रों के लिए खेल–डॉ० मंजू शर्मा; आरती गुप्ता 1294
भारतीय खेल प्रबन्ध - एक विश्लेषणात्मक अध्ययन–डॉ० अमित कुमार सिंह 1300
अभिनय प्रस्तुतिकरण में सात्विक भावों का विश्लेषण–डॉ० आदीश कुमार वर्मा 1303
नरेंद्र वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व–डॉ० सविता मिश्रा; चंचल बाला 1305

राजस्थान में पर्यटन विकास : उदयपुर जिले के विशेष सन्दर्भ में–भूमिका मेघवाल; डॉ० वन्दना वर्मा 1308
भारत में ब्रिटिश कालीन न्याय व्यवस्था : ऐतिहासिक परिचय–सौरभ कुमार जैन 1314
विकास की वर्तमान अवधारणा और गांधीवाद–डॉ० पिंकी पुनिया 1317
सीकर जिले में भूमिगत जल स्तर : श्रीमाधोपुर तहसील का एक विश्लेषण–दिलभाग; डॉ० मोनिका रोत 1322
राहुल सांकृत्यायन के यात्रा-साहित्य में ग्रामीण लोकजीवन एवं सांस्कृतिक परिदृश्य–निशा चौहान 1325
गांधीवादी दृष्टिकोण में कल्याणकारी राज्य का सिद्धांत–रेखा सक्सेना; ऋतेश भारद्वाज 1329
इतिहास भर में अफ्रीका–प्रशांत कुमार वशिष्ठ 1335
बांग्लादेश में बदलती दलीय प्रणाली की रूपरेखा–वीना कुकरेजा 1339
भारतीय राष्ट्रवादी विचार की विभिन्न धाराएँ–डॉ० प्रशांत देशपांडे 1344
भारत में कारावास की नैतिकता: एक अध्ययन–डॉ० रेखा ओझा 1347
भारत में बाजारीकरण की उत्पत्ति व आहत मुद्राओं का बाजार मूल्य–डॉ० प्रीति सिंह 1350
जैन धर्म और उसकी तत्त्वमीमांसा–डॉ० सरोज राम 1352
संस्कृत भाषा का इतिहास और पुनरुत्थान–डॉ० योगिता मकवाना 1354
भूगोल का सामाजिक विज्ञानों से संबंध और प्रयुक्त अध्ययन तकनीकें–डॉ० राजेंद्र प्रसाद 1356
'जाति विषमता एक अभिशाप' डॉ. लाल के नाटकों के विशेष संदर्भ में....–डॉ० नानासाहेब जावले 1359
महाभारत के राक्षसों की कथाएँ–प्रवीण मिश्रा; डॉ० वेदप्रकाश मिश्र; डॉ० रेनू शुक्ला 1362
राजस्थान में ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम : एक अध्ययन–डॉ० बलबीर सिंह 1366
सरकारी योजनाओं में महिलाओं का सशक्त योगदान–श्रीमती गायत्री तिवारी; डॉ० अंजू तिवारी 1368
शेखावाटी के पर्यटक स्थल एक भौगोलिक अध्ययन–डॉ० विनोद कुमार सैनी 1371
संस्कृत-सृजन : अपेक्षा एवं उपलब्धि–ऊषा नागर 1375
भारतीय संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा–डॉ० रूपेश कुमार चौहान 1379
मानव जीवन में वनस्पतियों का महत्व (वैदिक साहित्य के आलोक में)–डॉ० दीप्ति वाजपेयी; कु० मोनिका सिंघानिया 1383
'तोपो गोनअ' नामक गालो लोक गाथा में वर्णित भाई-बहन संबंध–जुमनू कामदाक 1387
स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद बिहार में पिछड़ी जातियों में सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना का विकास–राजेन्द्र कुमार 1392
नेहरू के समाजवाद एवं अंतर्राष्ट्रीयवाद की अवधारणा–मो० जाहिद शरीफ 1395
कृष्ण लीलागान की मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि–डॉ० मृत्युंजय सिंह 1399
जनसंख्या वृद्धि की समस्या- कारण एवं निदान–नेहा रावत 1404
रायका समुदाय की मौसमी प्रवास के दौरान समस्याएँ : सिरोही जिले का एक भौगोलिक अध्ययन –प्रो० पी० आर० व्यास; ललित कुमार मोबारसा 1410
राजस्थान एवं गुजरात के जनजाति समुदाय के विद्यार्थियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, समायोजन एवं आकांक्षा का अध्ययन –संजय कुमार मीना 1415
मादक द्रव्य व्यसन एवं सद्वृत–अंकित तिवारी; प्रो० चंद्र शेखर पांडेय 1424
व्यवस्थापिका और न्यायपालिका के बीच संघर्ष का समाधान : प्रस्तावना में है निदान–प्रो० पवन कुमार 1427
भोटिया जनजाति का ऋतु प्रवास तहसील मुनस्यारी के सन्दर्भ में–डी० एस० परिहार, दीपक 1430
कश्मीर समस्या की उत्पत्ति एवं समाधान–जितेन्द्र भारती 1440
भारत में संघवाद एंव राज्यों की स्वायत्तता: एक अध्ययन–आशीष कुमार सिंह 1447

छायावाद और पण्डित मुकुटधर पाण्डेय के साहित्य की उपयोगिता–डॉ० जयपाल सिंह प्रजापति; श्री बीरू लाल बरगाह 1450
संस्थागत मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व–डॉ० पूनम भूषण 1455
ब्लेंडेड लर्निंग-एक नवाचार–डॉ० प्रगति भटनागर; डॉ० मनीष भटनागर 1458
पुनरूत्थान का खतरा और साहित्य–अभिषेक चारण 1464
महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों के नये स्वरूप–श्रीमती श्वेता चतुर्वेदी; डॉ० श्रीमती रीना तिवारी 1468
राष्ट्रीय चेतना और हिंदी साहित्य–शुचिस्मिता मिश्रा 1472
अमित अम्बालाल के चित्रों में 'यू टर्न'–डॉ० शाहिद परवेज 1474
डॉ० भीमराव अम्बेडकर का शैक्षिक चिन्तन–सरिता; प्रो० बी०एल० जैन 1478
तुलसीदास के साहित्य में आदर्श परिवार की संकल्पना–रामयश पाल 1481
बिहार में च्डम्ळच योजना : एक अध्ययन–राकेश कुमार; प्रो० हिमांशु शेखर 1484
आत्मनिर्भरता एवं नैतिक मूल्य–डॉ० पूजा कुमारी 1489
वैश्वीकरण और ग्रामीण भारत पर इसका प्रभाव–डॉ० राज कुमार प्रसाद 1492
प्रभा खेतान के साहित्य में स्त्री चेतना, स्त्री विमर्श–प्रिया सिंह 1495
आत्म निर्भर भारत : प्राचीन काल से आधुनिक काल तक COVID-19 के विशेष सन्दर्भ में–डॉ० भारत भूषण 1498
समाजोत्थान में हरियाणवी सन्त-काव्य का योगदान–शीला देवी 1501
प्रधानमंत्री जनधन योजना एक तथ्यात्मक अध्ययन–(प्रोफेसर) डॉ० हिमांशु शेखर; संजीव कुमार 1504
स्वच्छ भारत अभियान : पर्यावरण संरक्षण के लिए सकारात्मक कदम–डॉ० विकास शर्मा 1509
पहाड़ की स्त्रियों का पहाड़ भर दु:ख–शालिनी देवी 1513
राजनीतिक सहभागिता के विभिन्न स्वरूप का अध्ययन–कृष्णा बैठा 1517
'पाश': क्रांति का अग्रदूत–इन्दरप्रीत कौर 1519
कोरोना काल में विद्यार्थियों पर ई-लर्निंग का प्रभाव–डॉ० आभा रानी 1522
बेहतर भविष्य के लिये ठोस अपशिष्ट निपटान के नवीन आयम–मोहिनी सरन एवं डॉ. सलाहउद्दीन मोहम्मद 1525
उच्च शिक्षा हेतु अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रति मुस्लिम महिलाओं की जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन
–डॉ० सौम्या शंकर; नसीम अख्तर 1531
समकालीन भारतीय चित्रकला में चित्रकार एस०एच० रज़ा की कलाकृतियों में रंगों का प्रतीकात्मक अध्ययन–निशा माहौर 1534
शिवाद्वयवादी नेत्रतन्त्र में सृष्टिप्रक्रिया एवं साधना के संदर्भ में शिवतत्त्व विमर्श–डॉ० प्रदीप 1538
मॉरीशस में श्रीराम कथा एवं भारतीय संस्कृति–उमेश कुमार सिंह 1542
बच्चों का पालन पोषण और अभिभावक–डॉ० अलका 1546
बच्चों के विकास में प्री-प्राइमरी शिक्षा और किंडरगार्टन की भूमिका–डॉ० शंकर जी 1549
बीड़ झुंझुनू कंजर्वेशन रिजर्व का पारिस्थितिकीय अध्ययन–डॉ० मन्जू चौधरी 1551
छत्तीसगढ़ के श्रमिको मे कोविड माहमारी के दौरान पलायन एंव चुनौतियां (रायपुर संभाग के विशेष संदर्भ में)
–संजय कुमार जांगडे; श्रीमति डॉ० रीना तिवारी 1555
जीवनसाथी चयन में कामकाजी महिलाओं की भूमिका का सामाजिक विश्लेषण–डॉ० अर्चना सिंह; शैलजा वर्मा 1560
चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानियों में प्रेम संवेदना–मोहन पुरी 1564
क्षेत्रीय विकास, विशमताएँ व पलायन, मुद्दे एवं चुनौतियां-उत्तराखण्ड के तीन मैदानी जनपदों का एक विश्लेषण–सुनील सिंह 1568
वर्तमान भारतीय विधिक शिक्षा के समक्ष उत्पन्न चुनौतियाँ–अरविन्द कुमार गुप्ता1 1576
भारतीय राजनीति के मुखौटे को बेनकाब करती धूमिल की कवितायें–डॉ० शंकर शर्मा 1580

गोंड राजाओं के शासन का प्रतीक : देवगढ़ का किला–प्रो० बिंदिया महोबिया 1584
प्रवासी हिंदी कथा साहित्य में स्त्री सार्वभौमिकता–नीलम सागर 1589
हिमाचल के कुल्लू जनपद की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि–हेम राज 1592
हिंदी के प्रमुख दलित आत्मकथाओं का परिदृश्य–सिद्धलिंग गंगु; डॉ० सविता तिवारी 1594
गोस्वामी तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' में चित्रित पारिवारिक सद्भाव–डॉ० बिजेंद्र कुमार 1597
सूर्यबाला जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व–प्रकाश मानू जाधव; डॉ० सविता तिवारी 1602
मुगल काल में फारसी साहित्य-संस्कृति–डॉ० मो० मोतिउर रहमान खान 1606
डाक टिकट पर पानी–विनय पटेल 1610
छत्तीसगढ़ में ई-गवर्नेंस से प्रशासनिक विकास पर प्रभाव व चुनौतियां (गरियाबंद जिले के विशेष संदर्भ में)
–अदिति तलवरे; डॉ० प्रमोद यादव 1614
आदर्श मित्र और मित्रता के सन्दर्भ में रहीम–प्रो० मन्जुनाथ एन० अंविग 1617
हिन्दी कविता में यायावर 'श्री गुरु नानक देव'–डॉ० सुनीता शर्मा 1621
जनपद अल्मोड़ा में पर्यटन का विकास, सम्भावनाएं तथा समस्याएं, कुमाऊँ हिमालय, उत्तराखण्ड–महेन्द्र सिंह; डॉ० दीपक 1627
लोक साहित्य का स्वरूप एवं वर्गीकरण : एक विश्लेषण–ममता कुमारी 1637
भूमि उपयोग का मानव जीवन पर प्रभाव : - उदयपुर जिले का एक भौगोलिक अध्ययन–कैलाश चन्द्र मीणा 1642
भारतीय इतिहास में व्यापारिक संघर्ष विशेष संदर्भ :- ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का व्यापार विस्तार–डॉ० (श्रीमती) अंजू कुमारी 1645
भारत में बाल मानव अधिकारों का संरक्षण: एक अनुशीलन–सहदेव सिंह चौधरी 1650
भारत-मध्य एशिया गणराज्य: चुनौतियाँ और संभावनाएँ–गुरदीप सिंह 1655
ब्रिटिश प्रशासन और भारतीय राष्ट्रवाद : एक अध्ययन–रितेश कुमार 1659
छात्राध्यापकों के संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन–प्रज्ञा सिंह 1661
भारत में कृषि के विकास में कृषि प्रबंधन की भूमिका–प्रियंका 1666
सुशीला टाकभौरे की आत्मकथा 'शिकंजे का दर्द' में व्यक्त दलित स्त्री चेतना–डॉ० अखिलेश कुमार वर्मा 1669
राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: सक्षमता का सबल साधन–डॉ० अनिल कुमार पाण्डेय 1672
उत्तराखण्ड में सड़क-पुल आन्दोलन में गढ़वाली पत्र की भूमिका–डॉ. मनोज सिंह बाफिला 1675
मान्यवर कांशीराम की विचारधारा का दलित कविता पर प्रभाव–मुकेश कुमार भारतीय 1680
गाँधी दर्शन में ब्रह्मचर्य की अवधारणा–दीक्षा 1686
भारतीय परिप्रेक्ष्य में प्रारंभिक शिक्षा के अधिकार की ऐतिहासिक समीक्षा–डॉ० शिखा चतुर्वेदी 1688
'हंस' सम्पादकीय दृष्टि और हाशिए का समाज–ममता यादव; डॉ० यशवन्त वीरोदय 1691
औपनिषदिक साहित्य में कर्म चिन्तन–डॉ० श्रीमती अर्चना 1694
कार्यस्थल पर कामकाजी महिलाओं की स्थिति का अध्ययन–प्रियंका दीक्षित; डॉ० राकेश प्रताप सिंह 1697
दलित साहित्य और प्रेमचन्द–विजय प्रकाश 1700
नव-उपनिवेशवाद एवं सांस्कृतिक विमर्श (1990 के बाद)–योगेन्द्र कुमार सिंह 1702
भारत में उच्च शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी–डॉ. श्वेता रस्तोगी 1706
पंथनिरपेक्षता की भारतीय अवधारणा–डॉ० दीपशिखा चतुर्वेदी 1709
पर्यावरणीय संचेतना एवं नैतिक-मूल्यों का आव्यूहन–डॉ० माया शंकर 1712
परम्परा एक दृष्टि: रामविलास शर्मा–डॉ० शिवाजी 1716
माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवम् छात्राओं का शिक्षा में नवाचार के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन
–सरस्वती देवी; डॉ० बिहारी सिंह 1719

क्रांति के अमर गायक माखनलाल चतुर्वेदी का हिन्दी साहित्य में योगदान–डॉ० आर०पी० वर्मा 1722

विघटित जीवन मूल्य और साहित्य–डॉ० साधना 1725

औपनिवेशिक भारत में सिक्के तथा मुद्रा व्यवस्था: एक ऐतिहासिक अध्ययन–डॉ० आशा रानी 1728

प्रगतिवादी चेतना के कवि निराला–डॉ० रश्मि कुमारी 1732

हिंदी कहानियों में स्त्री अधिकारों की चुनौतियां और जाति का सवाल–पूनम गुप्ता 1735

प्राचीन भारत में सामाजिक परिवर्तन के तत्व: वर्ण व्यवस्था का विशेष संदर्भ–डॉ० राधेश्याम सिंह 1738

समावेशी शिक्षा व्यबस्था आवश्यकता एवं चुनौतियाँ : एक अध्ययन–रत्नेश कुमार जैन; डॉ० कल्पना जैन 1742

बाजारवाद और भूमंडलीकरण का अन्तर्सम्बन्ध–सरिता भारती 1748

चित्तौड़गढ़ नगर के ग्रामीण-नगरीय उपान्त का भौगोलिक परिदृश्य–प्रो० पी० आर० व्यास; मनोज जाँगिड़ 1751

आधुनिकता की कसौटी में वैदिक नैतिकता–डॉ० चारू मिश्रा 1756

व्याकरण शास्त्र का दार्शनिक पक्ष-वाक्यपदीय की दृष्टि में–डॉ० जयन्ती सिंह 1759

हमीरपुर जनपद में सविनय अवज्ञा आन्दोलन एवं हिन्दी पत्रकारिता–डॉ० शोभा सक्सेना 1762

नगरीयकरण और बाल-अपराध में सम्बन्ध : एक विश्लेषण–डॉ० विवेक कुमार सिंह; कान्ती पाण्डेय 1765

रायपुर जिले के विद्यार्थियों में सूचना संचार प्रौद्योगिकी का उनके आकांक्षा स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन
–खुशबू दीवान; डॉ० संजीत कुमार साहू 1769

मध्यकालीन नाटक-कला–डॉ० रियाजुल हसन 1773

बौद्ध धर्म में पर्यावरण और उसके संरक्षण की वर्तमान प्रासंगिकता–दिनेश कुमार 1775

भारत में महिला शिक्षा: दशा एवं दिशा–श्रीमती बबीता खाती 1778

नीर-क्षीर विवेकी रचना–डॉ० विश्वनाथ द्विवेदी 1782

महिला कथाकार मेहरुन्निसा परवेज के कथा साहित्य में नारी जीवन–डॉ० सुधा 1784

भारत में वृद्ध जनसमूह की समस्या: एक विश्लेषण–डॉ0 अरविन्द कुमार वर्मा 1787

समकालीन हिन्दी कविताओं में अभिव्यक्त 'स्त्री इच्छाओं की दमन' प्रवृत्ति–डॉ० प्रभुसेन 1790

घरेलू हिंसा की रोकथाम के उपाय एवं महिला कल्याण कार्यक्रम–सुबोध कुमार 1793

ग्रामीण विकास में महिलाओं की सहभागिता–डॉ० किरन सिंह 1797

अज्ञेय के उपन्यास में पात्र चरित्रांकन: एक दृष्टि–डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय 1800

झीनी-झीनी बीनी चदरिया: बुनकरों के शोषण एवं संघर्ष का जीवन्त दस्तावेज–डॉ० नीलम तिवारी 1803

मानवतावाद में शेख मुहम्मद अब्दुह का योगदान: एक अध्ययन–नुरुल हसन 1806

कोविड-19: पर्यावरण के लिये संजीवनी–डॉ० अंजू सिंह 1811

कथाकार शिवमूर्ति की कहानियों में ग्रामीण स्त्री शोषण की समस्यायें एवं संघर्ष–कृष्ण देव 1813

स्वामी विवेकानंद के सामाजिक व राजनीतिक विचारोंका का अध्ययन–प्रो० डॉ० वाय० एम० साळुंके 1817

पाली एवं सिरोही जिले के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयो में ऑनलाईन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का अध्ययन
–कैलाश परिहार; डॉ० दीपक पंचोली 1820

अथर्ववेद में प्रकृति पूजा–डॉ० जेबा खान 1824

कला तथा वाणिज्य के विद्यार्थियों की व्यावसायिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन–राजेश कुमार; डॉ० आसिफ कमाल 1826

कोविड-19 के परिप्रेक्ष्य में श्रीमद्भगवद्गीता का भक्ति योग अध्याय–डॉ० श्वेता मिश्रा 1831

स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन–रामप्रवेश यादव; डॉ० नरेन्द्र कुमार सिंह 1833

गुरु तेग बहादुर जी की शहादत यात्रा : (हरियाणा के ऐतिहासिक स्थान)–सुनील 1840

पन्ना जिले की प्रागैतिहासिक शैलचित्र कला–देवीदीन पटेल 1844

छायावाद: भारतीय साहित्यिक चिन्तन धारा का स्वाभाविक विकास–अजय कुमार सिंह 1847

एक एक्टिविस्ट की कविताओं के मायने (सुधा अरोड़ा की कविताओं के विशेष सन्दर्भ में)–कु० आशा मिश्रा; डॉ० जनार्दन 1851

भोजपुरी लोकनाट्यों में सामाजिक पक्ष–अनुपम यादव 1855

जनजातीय विकास के नवीन आयाम: एक अध्ययन–डॉ० सुधांशु वर्मा 1858

भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली : चुनौतियां और सुझाव–मो० वकार रजा 1861

21वी सदी का परिदृश्य और वृद्ध जीवन–अमिता सिंह; डॉ० परेश कुमार पाण्डेय 1864

अखंड भारत एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय: एक विवेचना–कुलदीप गंगवार 1867

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में दुर्गा भाभी वोहरा की भूमिका–प्रदीप सिंह 1871

मालती जोशी व मन्नू भंडारी के द्वारा चित्रित नारी की दशा–डॉ० नम्रता जैन 1873

उपनिवेशवाद के दौर में भारतीय कृषि का रूपान्तरण एवं उसके सामाजिक परिणाम–डॉ० राम सुन्दर यादव 1875

अज्ञेय के काव्य में दलित-चेतना–रचना तनवर 1878

कानपुर में धर्म सुधार आन्दोलन की प्रतिध्वनि–डॉ० प्रीती त्रिवेदी 1881

महिला सशक्तिकरण: एक आलोचनात्मक विश्लेषण–शाजिया सुल्तान 1884

भारत में मतदान व्यवहार–डॉ० विनीता गुप्ता 1887

बुन्देलखण्ड एवं बुन्देला: एक संक्षिप्त अध्ययन–रविन्द्र प्रताप सिंह 1890

आधुनिक संप्रेषण माध्यमों के बीच 'संवदिया' की प्रासंगिकता–डॉ० अमिता यादव 1894

प्राचीन भारत की कुछ प्रमुख क्रीड़ाएँ–डॉ० अनिल कुमार सिंह 1897

बिहार के नक्सल आन्दोलन में दलित महिलाओं की सहभागिता–श्वेता कुमारी 1900

मोदी सरकार II: अंत्योदय, सुरक्षा और राष्ट्र साधना का एक वर्ष–स्वदेश सिंह 1905

मुगल चित्रकला: अकबर काल के चित्र एवं चित्रकारों के सन्दर्भ में–रघु यादव 1908

व्याकरणिक दक्षता के उन्नयन में आगमन-निगमन विधि की प्रभाविता का अध्ययन–डॉ० प्रियंका रावल 1911

नई शिक्षा नीति 2020 का उच्च शिक्षा पर प्रभाव: एक समाजशास्त्री अध्ययन–ओम प्रकाश 1918

लिंगानुपात: फर्रुखाबाद जनपद का जनांकिकीय विश्लेषण–डॉ० प्रभात सिंह 1921

स्वामी विवेकानन्द के मानवतावादी चिंतन व कर्मशीलता की शिक्षक-शिक्षा के नीति-निर्माण में प्रासंगिकता–डॉ० अजय कुमार सिंह 1927

रोजगार सृजन में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) की भूमिका: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन–डॉ० विजय ग्रेवाल; नीलम कुशवाह 1932

वृधावस्था की अवस्था: समस्याए एवं सुरक्षा–डॉ० जया भारती 1936

अर्वाचीन संस्कृत काव्य भाति में भारतम् में राष्ट्रीय भावना–डॉ० मीना गुप्ता 1940

डाकघर द्वारा संचालित सुकन्या समृद्धि खाता योजना में निवेश निष्पादन का अवलोकन–डॉ० विजय ग्रेवाल 1944

हिन्दी उपन्यास साहित्य में दस्तक देता वृद्ध विमर्श–डॉ० निम्मी ए. ए. 1949

ग्रामीण विकास और मनरेगा–डॉ० मिथिलेश पासवान 1951

अनुसूचित जनजाति महिला का प्राथमिक शिक्षा में सहभागिता - धुले (महाराष्ट्र) जनपद एक भौगोलिक विश्लेषण–संजय बी० घोडसे 1956

साहित्य में विचारधारा–डॉ० कुलदीप कौर पाहवा 1959

मधुबनी की ऐतिहासिक एवं भौगोलिक पृष्ठभूमि–श्वेता 1963

रोमेश चन्द्र दत्त-एक महान् बंगाली साहित्यकार–डॉ० तेजवीर सिंह; अजय यादव 1968

संवैधानिक प्रमुख के रूप में राज्यपाल–निखिल कुमार 1972
दूधनाथ सिंह कृत उपन्यास: 'आखिरी कलाम' में राजनीतिक यथार्थ–डॉ० निकेता; दीक्षित कुमार 1976
भारतीय विधि में महिलाओं के मानवाधिकार–डॉ० अनुभा श्रीवास्तव 1980
गणित में निदानात्मक परीक्षण एवं उपचारात्मक शिक्षण विधि का परम्परागत शिक्षण विधि से तुलनात्मक अध्ययन –विभय कुमार सोनी; डॉ० अंजनी कुमार मिश्र 1984
'धूमिल' की कविता में सामाजिक संवेदना–डॉ० रेखा वर्मा 1989
उपनिषदों में भक्ति–डॉ० रीटा खन्ना 1993
राजनीति में जाति की भूमिका (बिहार विशेष)–कुमार मंगलम पाण्डेय 1995
नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का भारतीय उच्च शिक्षा पर भविष्यगामी प्रभाव–डॉ० तेलानी मीना होरो 1998
रामविलास शर्मा का धर्म चिंतन–आलोक कुमार सिंह 2001
रतलाम जिले में स्वर्णजंयती ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत गठित एवं विभिन्न ग्रेड उत्तीर्ण स्व-सहायता समूहों का विश्लेषण –डॉ० लक्ष्मण परवाल; डॉ० अरविंदर कौर 2004
सामान्य आवास योजना का हितग्राहियों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में योगदान (छत्तीसगढ़ के राजनांदगाँव नगर निगम क्षेत्र के विशेष संदर्भ में)–रागिनी; डॉ० टाण्डेकर के० एल०; डॉ० भाटिया एच० एस०; श्रीमती झा स्वयं सिद्धा 2009
गीता मे श्रीकृष्ण का भक्तियोग:–डॉ० पवन शर्मा 2015
वर्तमान समय में संगीत का महत्त्व–विष्णु कुमार 2018
भारत में प्रारंभिक बचपन की शिक्षा : रुझान, मुद्दे और उपलब्धियां–शिवानी 2021
'रजपूत रासो' में 'चित्तौड़' व 'मीराबाई'–डॉ० अनु शर्मा 2026
सरकारी नीतियों में महिला सशक्तिकरण कितना सार्थक?–डॉ० सुशीला; कु० आरती 2029
जनसंख्या वृद्धि की समस्या- कारण एवं निदान–नेहा रावत 2038
खुली श्रेणी की महिलाओं की शिक्षा में भागीदारी का विश्लेषण- धुले (महाराष्ट्र) जनपद एक भौगोलिक अध्ययन–संजय बी. घोडसे 2044
विद्यालयी शिक्षा और बहुभाषिकता : शिक्षक की भूमिका पर विश्लेषण–डॉ० नाहर सिंह 2048
विधवा: व्यक्तित्व, प्रेम और पुनर्विवाह–डॉ० वाचस्पति यादव 2052
विज्ञान एवं शिक्षा के संचार एवं लोकप्रियकरण का नया आयाम: साइनटुन अधिगम–संघर्ष मिश्र; मनीष मिश्र 2056
मुगलकालीन जनसंख्यात्मक आंकड़ों का विश्लेषण–अमित कुमार 2060
आयुर्वेद की सामाजिक नैतिकता–रंजना यादव 2062
लोक लेखा समिति की भूमिका एवम् उसके कामकाज का विश्लेषण–रजनी; प्रो० (डॉ०) अंजना गर्ग 2066
उत्तरवर्ती विट्गेन्सटाइन के भाषायी विश्लेषण की समालोचना–प्रियान्शु अग्रवाल 2071
हिन्दी साहित्य में कृषक जीवन–महेन्द्र कौर 2076
राजेन्द्र अवस्थी के उपन्यासों में सांस्कृतिक दृष्टिकोण–नीतू कुमारी; डॉ० जयकरण यादव 2080
मौर्य युगीन कला पर यूनानी प्रभावों का समीक्षात्मक अध्ययन–प्रो० राकेश कुमार शर्मा; आकाश वालिया 2084
हबीब तनवीर का रंगकर्म–डॉ० मनीषा साव 2087
रोहतक के उभारदार शिल्प का इतिहास व सांस्कृतिक परम्परा–पवन; डॉ० सुषमा सिंह 2089
विश्व बाजारवाद और हिंदी–सरोज देवी 2091
संपादन कला में संपादकीय गरिमा की प्रासंगिकता–नरेन्द्र कुमार 2094
नासिरा शर्मा की रचना संसार का परिचयात्मक स्वरूप–संजीत कुमार; डॉ० प्रवीन कुमार यादव 2097
महात्मा ज्योतिराव फुले एवं स्त्री शिक्षा–सदीक 2099
आधा गांव: विभाजन और राष्ट्रीय एकता–प्रीति देवी मौर्या; डॉ० अचला पांडेय 2102

नई शिक्षा नीति (N. E. P.) के संदर्भ में गांधी शिक्षानीति–डॉ० सुनील ब० भोईटे 2104
स्वस्थ शरीर के लिए संतुलित आहार की आवश्यकता–अंजू 2108
आर्थिक सुरक्षा एवं बचत को प्रोत्साहित करने में भारतीय जीवन बीमा निगम का योगदान–नितेश ग्रेवाल 2111
तकनीक, कार्य व्यवहार और सामाजिक सम्बन्ध–डॉ० प्रेमलता 2114
स्थाई बंदोबस्त महत्त्वपूर्ण पहलू, दोष एवं प्रभाव–रवि 2117
हरियाणा हिसार जिले में पंचायती राज व्यवस्था के विकास के लिए विकेन्द्रीकरण–सचिन 2121
खयाल गायन शैली और संगीत घरानों की गायन पद्धतियां: भारतीय संगीत के सन्दर्भ में–डॉ० प्रेम चन्द्र कुशवाहा 2128
सामुदायिक रेडियो और ग्रामीण विकास–हर्षवर्धन पाण्डे 2132
भारत में बालिका शिक्षा का महत्व–रंजु प्रजापति; डॉ० रजनी दीवाकरराव शिवनकर 2137
संगीत का राष्ट्रीय एकता एंव अखण्डता के प्रति योगदान–डॉ० संगीता गोरंग 2140
भारत के स्वतंत्रतता संघर्ष में महिलाओं की भूमिका–डॉ० राकेश कुमार यादव 2143
भारतीय विदेश नीति में निरंतरता एवं परिवर्तन–अभिषेक कुमार 2146
भारत में सामाजिक न्याय तथा नरेन्द्र मोदी सरकार की शासकीय नीति एवं कार्यक्रम: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन–अजीत कुमार शर्मा 2150
बौद्धदर्शन में अन्तर्निहित उपदेशों का समाज पर प्रभाव (सौन्दरनन्द के विशेष सन्दर्भ में)–डॉ० वन्दना रूहेला; योगेन्द्र सिंह सैनी 2155
साहित्य और समाज: वर्तमान काल में प्रासंगिकता–डॉ० श्रवसुमी कुमारी 2159
आधुनिक चित्रकला में सामाजिक न्याय का विषयांकन–डॉ० ईश्वर चन्द्र गुप्ता 2162
ग्रामीण विकास का गांधीवादी दृष्टिकोण: भारत की आत्मा की खोज–अम्बुज मिश्र 2164
जनपद अमरोहा (ज्योतिबा फुले नगर) का भौगोलिक विश्लेषण–डॉ० रमेश चन्द्र 2168
भारतीय पूंजी बाजार की स्थिरता–डॉ० मनन कौशल 2174
महिला सशक्तिकरण: दशा एवं दिशा–डॉ० विशेष कुमार राय 2181
भारत की विदेश नीति के बदलते आयाम: एक सिंहावलोकन–डॉ0 आर0 बी0 सिंह बघेल 2185
जल संरक्षण के क्षेत्र में जल लेखा परीक्षा एक आवश्यक कदम–प्रीती रावत 2188
भारतीय पुलिस प्रणाली: शंका, समस्या और समाधान–अनसुईया राजपूत 2192
पितृसत्तात्मक समाज में लोक संस्कृति का प्रकार्यवादी दृष्टिकोण–डॉ० दयाशंकर सिंह यादव 2197
उत्तर प्रदेश के माध्यमिक स्तर पर प्रचलित पाठ्यचर्या में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों हेतु जीवन कौशल शिक्षा के विभिन्न घटकों का अध्ययन –बबिता सक्सेना; डॉ० मृत्युंजय मिश्रा 2200
सप्तदशी : वाजपेय यज्ञ की महिमा–डॉ० अरुणिमा 2206
जौनपुर जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का उनके निवासीय स्थिति के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन–शिव प्रकाश यादव; डॉ० नरेन्द्र कुमार सिंह 2209
भारत में सफेदपोश अपराध: एक सामाजिक-विधिक अध्ययन–उग्रसेन वर्मा 2214
भारत के गाँवों में स्वच्छता के द्वारा रोजगार एवं आर्थिक समृद्धि: एक दृष्टि–डॉ० दीपा अग्रवाल 2224
स्मार्टफोन के उपयोग का किशोर विद्यार्थियों की आक्रामकता पर प्रभाव–तुलसी राम; डॉ० चंद्रकांत शर्मा 2219
कत्यूरी शासन कालीन संस्कृति–डॉ० पुष्पा दानू 2227
जोधपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक स्तर के संगीत विषय के किशोर विद्यार्थियों पर अभिभावक शैली का उनकी आक्रामकता पर प्रभाव का अध्ययन–डॉ० सुनीता श्रीमाली 2230
पुरुषार्थ चतुष्ट्य : एक विवेचनात्मक अध्ययन–विश्वजीत भारद्वाज 2234
बदलते दौर में भारत और चीन सम्बन्ध: एक विवेचन–डॉ० यतेन्द्र सिंह 2237
पंचायती राज में महिला नेतृत्व: चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ–दीपक कुमार यादव 2240

मुक्तिबोध की कहानियों में सामाजिकता–मन्नु कुमार शर्मा 2244
गाँव के पहचान की महक - 'रजिया'–डॉ॰ संजय भाऊसाहेब दवंगे 2247
भाषा और साहित्य: बौद्ध धर्म की देन–डॉ॰ कविता लखैयार 2249
बौद्ध धर्म और अशोक: एक संक्षिप्त अवलोकन–डॉ॰ नीता लखैयार 2251
जैन मूर्तिकला का विकास–रवींद्र सिंह 2253
तिब्बत-चीन संवाद: अनुबंध के लिए योजना–डॉ॰ सच्चिदा नन्द राम–वैदिककालीन नारी शिक्षा; रोहित कुमार सिंह 2259
गुप्तकालीन स्थापत्य कला क्षेत्र में उपलब्धियों का मूल्यांकन–डॉ॰ कविता सिंह; अजय कुमार सिंह 2262
भारत-पाकिस्तान संबंधों के संदर्भ में शांति की मध्यस्था–डॉ॰ अरूण कुमार दीक्षित 2265
प्राथमिक शिक्षा में नए आयाम–डॉ॰ ममता दीक्षित 2268
महात्मा गाँधी और भारत छोड़ो आन्दोलन -1942–संजय कुमार पासवान 2271
'दीवार में एक खिड़की रहती थी' उपन्यास में मूल्यबोध–रश्मि 2274
कामकाजी एवं घरेलू महिलाओं के बच्चों में बौद्धिक विकास–जागृती कुमारी 2276
शिक्षा से ही मिलेगी नारी को बंधनों से मुक्ति - महादेवी वर्मा–डॉ॰ राजन तनवर 2280
आधुनिक युग के विश्व में जनसंख्या एवं पारिस्थितिकीय-संकट–डॉ॰ शीशराम यादव; डॉ॰ ललिता यादव 2282
'दीवार में एक खिड़की रहती थी' उपन्यास में आर्थिक मूल्यों से उत्पन्न निम्नमध्यवर्गीय जीवन की कटुताओं का चित्रण–जोगिन्द्र 2284
डॉ0 ए0 पी0 जे0 अब्दुल कलाम एवं मूल्य शिक्षा दर्शन-पाटिल कंचन गोपाल, डॉ॰ चारु शर्मा 2286
उत्तर प्रदेश में हथकरघा बुनकरों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का अध्ययन वाराणसी जनपद के सन्दर्भ में-चाँदनी सिंह; डॉ॰ बिजेन्द्र प्रधान 2291
मीडिया का बदलता स्वरूप: साहित्यिक और सामाजिक परिपेक्ष्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन–सुरेंद्र 2297
महाकवि माघकृत शिशुपालवध महाकाव्य में अंगीरस योजना–पिंकी निशा 2300
कबीर का व्यक्तित्व एवं कबीर की प्रासंगिकता–शशि बाला 2303
छायावाद की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं प्रमुख विशेषताएँ–सुमन 2306
महिला जागृति एवं स्वतंत्रता आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका–रोहित पाण्डेय; दिनेश कुमार 2310
योगिता यादव के कथा साहित्य में नारीवादी दृष्टिकोण–मुकेश कुमारी 2313
रानी नागेन्द्र कौर : ग्रीन कार्ड का विषयगत अध्ययन–डॉ॰ हरबंस सिंह 2315
जवाहरलाल नेहरू और धर्म निरपेक्षता–डॉ॰ (श्रीमती) अनुभा कुमार 2319
भारत की परमाणु नीति: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन–आशा रानी 2321
मेहरगढ़ भारतीय उपमहाद्वीप का प्राचीनतम कृषक गांव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन–भगवान दास 2324
संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद की भूमिका–राकेश कुमार; प्रो॰ (डॉ॰) रण विजय कुमार 2327
मैला आँचल और देहाती दुनिया का तुलनात्मक अध्ययन–डॉ॰ संजू कुमारी 2332
जम्मू-कश्मीर: अनुच्छेद 370 के अंतर्गत अस्थायी विशेष उपबंध की समाप्ति एवं उसके पश्चात संवैधानिक स्थिति–रक्षा सिंघल; डॉ॰ रेणू मित्तल 2334
राजेन्द्र यादव के उपन्यास 'सारा आकाश' में युगीन परिस्थितियों का चित्रण–डॉ॰ शिखा श्रीधर 2340
हाइब्रिड युद्धकला का अवधाराणात्मक अध्ययन–डॉ॰ राहुल कुमार 2343
समाधि के सिद्धि के लिए प्राणायाम की उपादेयता-एक समीक्षा–डॉ॰ पारुल कुमार 2346
वेदों में योग विद्या–प्रेरणा 2348
भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधी की भूमिका–डॉ॰ हर्षेन्द्र प्रताप सिंह 2351
शिक्षा ते समाजक परिवर्तन: इक अध्ययन–शगुफ्ता चौधरी 2354
सामाजिक ताने-बाने में नारी–डॉ॰ अरविन्द सिंह 2357

''प्रधानमंत्री कौशल-विकास योजना की बेरोजगारी उन्मूल में भूमिका: जनपद मेरठ (उ0 प्र0) के विशेष सन्दर्भ में''
–डॉ० पंकज कुमार; गौरव जैन 2360

महिला सशक्तिकरण के परिप्रेक्ष्य में विज्ञापनों का योगदान–डॉ० मीनाक्षी हुड्डा; सुमित 2363

प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री-दृष्टि–निशु सिंहा 2367

हिंदी में अच्छे इतिहास लेखन का अभाव: एक विश्लेषण–दुली चंद 2369

मेवात के आधुनिक कवि-लॉर्ड सन्नू मेवाती–वीनस 2372

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में मेवातियों का योगदान–रिहाना खान 2378

कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का भौगोलिक अध्ययन–नीलम 2384

वैश्विक जलवायु परिवर्तन का भौगोलिक अध्ययन–सुभाष चंद्र 2387

कृषि पर मिट्टी के क्षरण का प्रभाव: एक भौगोलिक अध्ययन–सीमा रानी 2391

महाकवि भवभूति के साहित्य में उपलब्ध वेदान्त दर्शन: एक दृष्टि–डॉ० नीलिमा चौधरी 2395

बीसवीं सदी के मनु एवं संविधान निर्माता के रूप में डॉ० अम्बेडकर की भूमिका–डॉ० पूनम 2401

तर्काङ्ग, तर्कदोष एवं तर्कभेद–मीरा द्विवेदी; जोरावर सिंह 2404

मेहरून्निसा परवेज द्वारा विरचित उपन्यासों में नारी समस्या–कुमारी पूनम चौहान 2409

कथाकार डा० नरेन्द्रनाथ चतुर्वेदी के साहित्य में राजनीतिक भ्रष्टाचारिता के चित्र–रिंकी 2412

भूमण्डलीकरण का महिला शिक्षा के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव–डॉ० साधना श्रीवास्तव; सारिका सिंह चौहान 2415

जनहित वाद और सामाजिक-आर्थिक न्याय: एक समालोचनात्मक अध्ययन–एन राजेन्द्र सिंह 2422

काव्यप्रकाश-लीला में अनुप्रास अलंकार–भारतेन्दु पाण्डेय; गिरिराज 2426

कोरोनाकाल में मानवाधिकारों का सामाजिक-विधिक विश्लेषण: भारत के विशेष सन्दर्भ में–दीपक 2433

भारतीय संगीत में प्रयुक्त वाद्यों में सुषिर वाद्य: एक अध्ययन–अनीता शर्मा 2438

ग्रामीण भारत में अनिवार्य नि:शुल्क शिक्षा आवश्यक–रूबी सिंह; डॉ० वी० के० गैलत 2442

टाटा स्टील में औद्योगिकरण में महिलाओं की भूमिका - एक अध्ययन–डॉ० संजना सिंह 2445

नवतेज सिंह जौहर के निर्णय के सन्दर्भ से एलजीबीटीक्यू समुदाय के व्यस्क व्यक्तियों के लैंगिक लगाव को संरक्षण: विधिक एवं
न्यायिक दृष्टिकोण का एक अवलोकन–नीतेश कुमार चतुर्वेदी; डॉ० राजकुमार परिचेता 2448

जूड़ो में बायॉ पैर स्थिर संतुलन पर वजन वर्ग का प्रभाव–चन्द्रशेखर बांधें 2454

स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन–जितेश कुमार शर्मा; डॉ० कविता गुप्ता 2458

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी नेताओं पर बोल्शेविक क्रांति और सोवियत रूस का प्रभाव: तिलक, भगत सिंह और बोस–ऋचा मणि 2464

पर्यटन स्थलों का ह्रास और स्थानीय रहवासियों पर इसके प्रभाव (इंदौर जिला, मध्यप्रदेश के विशेष संदर्भ में एक भौगोलिक अध्ययन)
–श्रीमति शीतल तिवारी; डॉ० डी० एन० पुरोहित 2468

बौद्ध धर्म और डॉ० भीमराव अम्बेडकर–डॉ० स्वर्ण मणि 2475

बिहार के पंचायती राज में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी–रवि शंकर दयाल 2479

भारत में पर्यावरण कानून–नीतू कुमारी 2482

"निजी बैंकिंग क्षेत्र के लिये मानव संसाधन प्रबंधन व्यवहार और कर्मचारी संतुष्टि स्तर"(मध्य प्रदेश के विशेष संदर्भ में)–डॉ० पवन तिवारी 2488

MSMEs उद्यमों द्वारा वित्तीय संस्थाओं से वित्त प्राप्त करने में आने वाली कठिनाईयॉ एक अध्ययन,मध्य प्रदेश के विशेष संदर्भ में
–डॉ० अमर वतनानी; अंशुल कुमार जैन 2495

पदार्थ, तत्व, परमाणु और रासायनिक प्रतिक्रियाएं–सलीम सिद्दिकी 2505

बालकों के नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों का विकास: शोध परिप्रेक्ष्य में अध्ययन–पवन कुमार 2507

मध्यकालीन नाट्य परिदृश्य में मैथिली नाटक का महत्व–डॉ० ज्योति कौर; दीपा 2512
पंचायती राज व्यवस्था में महिला प्रधानों के समक्ष आने वाली समस्याओं का अध्ययन–हिमांशु 2515
शिक्षा द्वारा महिलाओं का सशक्तीकरण–कु० शालजा 2519
भारत में महिला सशक्तिकरण की दशा एवं दिशा–डॉ० अनिल कुमार यादव; आसीन खाँ 2522
भारत-पाकिस्तान के जटिल संबंध और चीन–अर्जुन सिंह सोनकर 2525
वर्तमान परिदृश्य में 'मधुमेह' की रोकथाम आहार एवं पोषण विज्ञान के सन्दर्भ में–वन्दना सिंह यादव 2528
बिहार में सुशासन का ढांचा और दलित-महादलित विमर्श–डॉ० आलोक वर्मा 2531
किशोरों के लिए जीवन कौशल शिक्षा का महत्व: एक समीक्षा–प्रोफसर रमाकांती साहू 2535
महाभारत महासंग्राम में प्रयुक्त 'दिव्यास्त्र'–शैल कुमारी; डॉ० नमिता अग्रवाल 2539
जनजातीय लोक कलाएँ–डॉ० हिमा गुप्ता 2543
नासिरा शर्मा की कहानियों में सामाजिक चेतना–सोलंकी धरनी विनोद भाई 2545
कश्मीर की ऐकता पर लल्लेश्वरी का योगदान–डॉ० परविंदर शर्मा 2548
बी. एड. प्रशिक्षु छात्रों के संवेगात्मक बुद्धि का उनके शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन–श्रीमती सरोज शुक्ला 2550
सफ़रनामा 'निरभउ निरवैर' : संरचना–डॉ० अमरबीर कौर 2552
राजस्थान में प्रशासनिक सुधार: स्वरूप एवं विकास–मिथलेश कुमारी 2555
"महीप सिंह की कहानियों में मूल्यों का परिवर्तन"–देवांगी ए. राजन 2560
तकनीकी एवं गैर-तकनीकी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यवसायिक रूचि का अध्ययन–हेमन्त कुमार खटकर; डॉ० रेखा नरेन्द्र जिभकाटे नवखरे 2562
धमतरी जिले के वैदिक एवं गैर वैदिक परंपरा पर आधारित शालाओं में विद्यार्थियो के नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन –श्रीमती मोहनी सिन्हा; डॉ० रंजनी दिवाकर राव सिवणक 2564
दुर्ग क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओं में पर्यावरण जागरूकता अध्ययन–समीना कुरैशी; डॉ० शितल अडगाँवकर 2567
'मढ़ी का दीवा' उपन्यास में गरीब वर्ग और मानवीय संबंधो का अध्ययन–बिशम्बर; डॉ० सोनिया यादव 2570
स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों का कैरियर के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन–डॉ० सुभाष कुमार पुरोहित 2572
पारिस्थितिकीय संरक्षण में न्यायालय की भूमिका: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन–सुधाकर शुक्ल 2575
स्वामी विवेकानन्द की संचार नीति में भाषायी चिन्तन–डॉ० जुगल किशोर दाधीच; रविन्द्र सिंह 2580
कानपुर शहर के अनुसूचित जाति के माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं को बुद्धिलब्धि और शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन–सुरेंद्र प्रताप सिंह 2584
व्यापारिक बैंको का उद्योगों एवं कृषि में योगदान–प्रतिभा सिंह; प्रो० विजय कुमार अग्रवाल 2593
उच्चतर माध्यमिक स्तर विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि पर एक अध्ययन–विनोद अवस्थी; डॉ० आशावती वर्मा गाइड 2598
भारत में राष्ट्रीय पोषण प्रबंधन नीतियों का मूल्यांकन–डॉ० बबिता बी० शुक्ला 2603
सामाजिक जीवन का यथार्थ और कथा साहित्य: अलका सरावगी–डॉ० सविता वर्मा; खेमवती साहू 2606
समकालीन गीतकारों की रचना दृष्टि–डॉ० कमलेश कुमार जैन 2608
मृदुला गर्ग के कथा-साहित्य में सामाजिक सरोकार के विभिन्न आयामों का विश्लेषणात्मक अध्ययन–डॉ० अर्चना सिंह; सुप्रिया 2611
मृदुला गर्ग के कथा-साहित्य का संरचनात्मक पक्ष–डॉ० मिन्तु; विनोद कुमार 2614
सूरदास और उनका सूरसागर–प्रो० प्रदीप श्रीधर 2617
हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श से संबंधित दृष्टिकोण - एक शोध परक अध्ययन–नीलिमा शर्मा 2620
बाबा नागार्जुन के साहित्य में जीवन मूल्य और राष्ट्रीयता–भीम चन्द्र प्रजापति; डॉ० नीलम गर्ग 2623
भारत में गठबंधन की राजनीति-एक अवलोकन–डॉ० अशोक राम 2625
21वीं सदी की हिन्दी कविता: परिवेशगत चुनौतियाँ–डॉ० विनय कुमार 2629
कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं का परीक्षण चिंता के प्रति तुलनात्मक अध्ययन–लतिका ख्रष्ट्रीयान 2631

प्राचीन भारतीय सेना एवं सैन्य व्यवस्था की आवश्यकता और महत्व : एक विश्लेषण–नीलम; केशव देव शर्मा 2634
भारतीय लोक कला संस्कृति में राजस्थान की लोक कलाएं–सुनीता अहलावत; डॉ० भूप सिंह गुलिया 2636
कच्छवाहों का ढूंढ़ाड़ में प्रवेश तथा आमेर पर अधिकार–तोसिफ अली 2641
परम्परागत मूल्यों और अन्वेषण के बीच आर्यभट्ट: एक अन्वेषक–डॉ० संगीता 2645
महिला कैदियों के मानव अधिकारों का विकासक्रम: भारतीय परिप्रेक्ष्य में एक अध्ययन–दीपिका शर्मा 2648
भारतीय कृषि में महिलाओं की भागीदारी–महिमा बंसल 2652
भारत में दहेज प्रथा: एक सामाजिक-कानूनी दृष्टिकोण–मो० नुरूल्लाह अंसारी 2655
मध्यकालीन उत्तर भारत की सामाजिक स्थिति: एक अध्ययन–पंकज कुमार सिंह 2659
नवगीतकार उमाशंकर तिवारी की आधुनिकतावादी दृष्टिकोण–जयमाला दूबे 2663
नारी संबंधी चेतना का विकास: आधुनिक स्त्री-विमर्श–सतीश चंद यादव 2668
न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि के कृषकों पर होने वाले प्रभावों का विश्लेषण–डॉ० रेनू सिंह राणा 2671
डॉ० भीम राव अम्बेडकर - विचार एवं दर्शन–डॉ० वीरेंद्र सिंह वर्मा 2676
वर्तमान परिप्रेक्ष्य में व्यंग्य विधा की सार्थकता–डॉ० बी०एन० जागृत; बिन्दु डनसेना 2680
भारतीय जाति व्यवस्था का बदलता स्वरूप–डॉ० चन्द्रकांता के माथुर 2683
छत्तीसगढ़ में व्यवसायिक संरचना का स्थानिक लौकिक प्रतिरूप–शितेन्द्र कुमार साहू; डॉ० प्रीति बाला चंद्राकर 2687
वडार घुमंतू जनजाति : एक सामान्य परिचय–प्रा० डॉ० भारती बी० वळवी 2694
डॉ० परशुराम शुक्ल की बाल कहानियों में आदर्श–अंजू रानी; डॉ० राजकुमार एस.ई. नाईक 2697
पुणे संभाग के जवाहर नवोदय विद्यालयों में खिलाडिघ्यों के अनुपात में खेल सामग्री की उपलब्धता का मूल्यांकन–मोनू; डॉ० बापू एन चौगले 2700
विश्व में व्याप्त समसामयिक समस्याओं एवं जन सुरक्षा का श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित संदेशो द्वारा निदान: एक विमर्श–पूनम; डॉ० अंजना राव 2706
दीर्घायु के लिए योग चिकित्सा का महत्व–संगीता 2709
कुश्ती खिलाड़ियों के मानसिक प्रशिक्षण का कुश्ती दक्षता मापन के चरो के पूर्व एवं पश्च परीक्षणों का अध्ययन–डॉ० दिलीप सिंह चौहान 2713
राजस्थान में रास काव्य की परम्परा का अध्ययन–डॉ० सोनल राजपुत 2716
विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों का समावेशी विकास–आसुतोष कुमार तिवारी; डॉ० रजनी रंजन सिंह 2723
वैश्वीकरण का शिक्षा पर प्रभाव–डॉ० राहुल कुमार तिवारी 2728
राजनीति और मूल्य: एक अध्ययन–तिलक राम आदित्य; डॉ. एस. के. यादव 2731
पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सामाजिक-आर्थिक स्तर वाले ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से सम्बन्धित बालक-बालिकाओं में सांस्थिति नियंत्रण के प्रभाव का संक्षिप्त मूल्यांकन–डॉ. स्मृति दानी; नीरू यादव 2734
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स का प्रभाव–दिव्या मिश्रा; डॉ. तृषा शर्मा 2740
असहयोग आंदोलन की समाप्ति में चौरा-चौरी कांड की भूमिका–पूनम; डॉ० अजमेर सिंह पुनिया 2743
प्राचीन भारतीय में पर्दा प्रथा: एक समीक्षा–डॉ० रघु महेन्द्र सिंह 2746
माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन संबंधी आदतों पर पारिवारिक वातावरण और परामर्श का प्रभाव–शुभा तिवारी 2750
शिक्षा के अधिकार अधिनियम के प्रभाव का शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में प्रारंभिक शिक्षा स्तर का अध्ययन –शिरीष तिवारी; डॉ. रजनी दिवाकरराव शिवनकर 2753
माध्यमिक स्तर के उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन–नीलम साहू 2757
प्राचीन भारतीय में पर्दा प्रथा: एक समीक्षा–डॉ० रघु महेन्द्र सिंह 2757
इक्कीसवीं सदी में भारत-म्यांमार सम्बन्ध–श्री कर्मचन्द यादव 2761
सोशल मीडिया : आर्थिक प्रभाव–आशीष कुमार पाण्डेय 2765
पं. दीनदयाल उपाध्याय के आर्थिक विचारों का अध्ययन–अर्चना कुमारी; प्रो० (डॉ०) राजीव रंजन 2768
भारतीय जनजातीय महिलाएँ एवं उनका महिला सशक्तिकरण–डॉ० अनुपमा सिन्हा; अम्बाशीष पाण्डेय 2775

वैदिक गुरुकुल: शिक्षा-संस्कारों के प्राचीन केंद्र—आकांक्षा सिन्हा; प्रो० (डॉ०) रजनी रंजन सिंह 2779

रामानुजाचार्य द्वारा रचित श्रीभाष्य में भक्ति रस का स्वरूप—रमन शर्मा 2783

फ्लिप्ड क्लासरूम: संरचना, महत्त्व तथा चुनौतियाँ—सत्य प्रकाश परमार 2786

गांधी दर्शन और ग्राम स्वराज—ज्ञानेश कुमार वर्मा 2789

जीवन के अकेलेपन के डर का नवीनसत्य: 'इन दिनों'—डॉ० पूनम शर्मा 2792

सुरेन्द्र वर्मा के उपन्यासों में पारिवारिक मूल्य और नारी—नीलू देवी; डॉ० अजमेर सिंह मलिक 2795

ग्रंथालय की प्रचार-प्रसार सेवाओं में ग्रंथालय नेटवर्क की भूमिका—डॉ० आर० के० तिवारी; सालिक राम 2800

समकालीन राजनीति पर कर्पूरी ठाकुर का प्रभाव: एक अध्ययन—मो० हुमायुँ अशरफ 2804

भारत में महिला उद्यमिता की समस्याएं: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण—उपेन्द्र सिंह 2807

उत्पाद जीवन चक्र के विभिन्न चरणों में लघु उद्योगों के वित्त के स्रोतों और सामने आने वाली चुनौतियों का अध्ययन (इंदौर शहर के विशेष संदर्भ में)—सुनील कुमार धाकड़; डॉ० दिनेश अग्रवाल 2810

मध्यप्रदेश मालवा प्रदेश में पर्यटन केन्द्र संबंधी समस्याएँ एवं भारतीय पर्यटन सेवा उद्योग अध्ययन—राजेश वर्मा; अंशुल जैन 2817

भारत में लोकहित वाद की अवधारणा—हरिओम गुप्ता 2825

किरातार्जुनीयम्: एक राजनैतिक विमर्श—पिंकी निशा; डॉ० किरणमाला 2828

सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा : चुनौती और अवसर; शिशु पाल राठौर 2831

लिंगभेद के संदर्भ में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की सृजनात्मकता (प्रवाह, विविधता एवं मौलिकता) का तुलनात्मक अध्ययन —डॉ० जय प्रकाश दूबे; विनोद प्रकाश तिवारी 2834

स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता के निर्धारण में आध्यात्मिक बुद्धि की भूमिका का अध्ययन—डॉ० सरोज बाला; सुशील कुमार 2840

उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 एक विश्लेषण—नईमउद्दीन 2845

शिक्षक-प्रशिक्षकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थी-शिक्षकों द्वारा सधांरणीय समावेशी विकास की पहल: एक अध्ययन—राजेश कुमार दुबे 2848

माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापकों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन—पियाधर सिंह कंवर 2853

जल जीवन मिशन : एक चिंतन, एक चिंता—फारुख मोहम्मद 2858

ऑनलाइन शॉपिंग के प्रति उपभोक्ता का दृष्टिकोण—दीक्षा उपाध्याय 2861

मरसिया ख्वानी (इस्लामिक गीत) की भाषा शैली एवं शिल्प—डॉ० बबली अरुण 2863

महेसाणा (उत्तर गुजरात) और उसका स्थानीय स्वशासन—विशाल एस० परमार 2866

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अभिभावक अपेक्षाओं, लिंग एवं संकाय का उनके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव —डॉ० के नागमणी; श्रीमती मंजू साहू 2868

पर्यावरण संरक्षण एवं न्यायिक सक्रियता—अमित कुमार सिंह 2873

नक्सलवाद: समस्या व समाधान—डॉ० एम० के० टम्टा 2875

कृषि भू दृश्य की संकल्पना का विश्लेषणात्मक अध्ययन—प्रीति अग्रवाल 2880

शिवानी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व—पुतुल कुमारी 2883

अपभ्रंश: व्युत्पत्ति एवं विकास—अरुण कुमार 2887

छत्तीसगढ़ में महिला शिक्षा के विकास में समाज सुधारकों का योगदान—डॉ० ममता कोशरिया 2891

छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य—डॉ० मोती लाल शाकार 2893

महानगरीय संस्कृती आणि जी.के. ऐनापुरेलिखित कथासंग्रहातील आशयसूत्रे—पूनम प्रकाश वाघ 2898

'यमदीप' में किन्नर विमर्श—अमनदीप कौर 2902

शिक्षा में निजीकरण: मुद्दे और चुनौतियाँ—डॉ० कीर्ति पटेल 2904

वैदिक साहित्य में वर्णित कृषि उपकरण—कुशुम 2907

हिंदी पत्रकारिता–पिंकी देवी 2911
उत्तर प्रदेश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी की भूमिका–अक्षय भट्ट 2914
भारतीय अर्थव्यवस्था में भूमंडलीकरण का दौर और ग्रामीण विकास–डॉ० महेश कुमार चौधरी 2917
वर्तमान समय में बाल-अपराध के कारण सामाजिक, आर्थिक विघटन रोकने में शिक्षा की भूमिका (छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में) –श्रीमती नीलम चौहान; डॉ० शीतल अडगांवकर; डॉ० अब्दुल सत्तार 2920
पद्मश्री पं० श्यामलाल चतुर्वेदी का गद्य-स्वरूप और प्रवृति–डॉ० स्वामीराम बंजारे; उग्रेन कुमार साहू 2926
विन्ध्य क्षेत्र का ऐतिहासिक अध्ययन–राजन कुमार 2929
मिथिला के इतिहास लेखन की सीमाएँ एवं सम्भावनाएँ–प्रो० (डॉ०) प्रभास चन्द्र मिश्र 2932
मातृभाषा में अध्ययन से विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति पर पड़ने वाला प्रभाव–डॉ० सुनिता मुर्डिया; टीना जैन 2937
उत्तराखण्ड की उत्पादक शक्तियाँ: एक ऐतिहासिक अध्ययन–दीपक कुमार आगरी; डॉ० सन्तोष कुमार 2940
केदारनाथ अग्रवाल के काव्य में सामाजिक असमानता–रवि शंकर निराला 2945
अर्जक संघ संस्थापक 'रामस्वरुप वर्मा' समग्र मूल्यांकन–विनय कुमार सिंह पटेल 2947
पाकिस्तान में सम्प्रायवाद की राजनीति–ममता डांगी 2950
भारतीय संविधान के लोकतान्त्रिक स्वरूप की प्रासंगिकता–डॉ० अजित 2954
भारतीय परिदृश्य में महिला सशक्तिकरण एवं योजनाएं–डॉ० रीता सिंह; डॉ० नीरज कुमार खरे 2957
गोदान की औपन्यासिक संरचना में गाँव और नगर–डॉ० मधूलिका श्रीवास्तव 2964
चुनाव सुधार की समस्या: राजनीति और अपराध तंत्र का गठजोड़–डॉ० सन्तोष कुमार दुबे 2966
भारत में आरक्षण का इतिहास: एक अध्ययन–अजीत सिंह 2968
झारखण्ड के आदिवासियों की धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक और जनजातीय अस्तित्व–सुमन टोप्पो; डॉ० आर. के. शर्मा 2974
कच्छ के ऐतिहासिक दुर्ग–दवे भार्गव कुमार जी 2977
बाल अपराध प्रवृत्ति के ग्रामीण एवं शहरी किशोर विद्यार्थियों का पारिवारिक परिवेश तथा सुरक्षा एवं असुरक्षा की भावना का तुलनात्मक अध्ययन–सूर्यदेव यादव; डॉ० शीतल अड़गांवकर 2981
आदिवासी विमर्श और अस्मिता का यथार्थ–सलमा खातुन 2986
स्वदेश दीपक के नाटकों का शिल्प–मुकेश कुमार महतो 2989
पूर्वी उत्तर प्रदेश में महिला स्वास्थ्य एक समस्या–डॉ० रागिनी कुमारी 2995
मीडिया:-अर्थ, स्वरुप और इसकी सामाजिक व नैतिक मूल्यों के विकास में भूमिका–महेन्द्र प्रताप बॉयला 2998
वैयाकरणसिद्धांतकौमुदी के ठञ्विधि प्रकरणगत तद्धित पदों का अर्थप्रयोग पर्यालोचन–अभिषेक; डॉ० सुरेन्द्र कुमार 3004
नैषध में श्री हर्ष के पाण्डित्य का प्रभाव–केशव 3013
ऋग्वैदिक राजनीतिक स्वरूप की प्रासंगिकता–डॉ० आनन्दा नन्द त्रिपाठी 3017
भारतीय स्वाधीनता आंदोलन एवं भगतसिंह का क्रान्तिकारी दर्शन–डॉ० भरत लाल मीणा 3021
1857 के विद्रोह मे पंचमहाल का प्रदान–भारती बेन डी धनुला 3024
कच्छ के इतिहास-पुरातत्व और सांस्कृतिक क्षेत्र में श्री के. का. शास्त्रीजी का योगदान–देसाइ मितेश कुमार एम. 3026
कोविड-19 में खाद्य के संकट और खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के प्रयास का विवरणात्मक अध्ययन–डॉ० प्रमोद कुमार यादव 3028
वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियां एवं सुधार हेतु सुझाव–शिव शर्मा 3030
राजस्थान में हिन्दी पत्रकारिता एवं स्वतंत्रता आंदोलन–डॉ० शिवकुमार मिश्रा 3034
11वी कक्षा में अध्ययनरत इतिहास विषय के छात्रों हेतु उपलब्धि परीक्षण का निर्माण–मोहम्मद काशिफ तौफीक; प्रोफेसर रत्नमाला आर्य 3037
कृषि एवं ग्रामीण विकास में 'नाबार्ड' की भूमिका-एक दृष्टि से–आशीष कुमार सिंह 3042
सुधा वर्मा का व्यक्तित्व कृतित्व–छाया साव; डॉ० रेशमा अंसारी 3045

भारत में जिला नियोजन व्यवस्था और विकास: एक परिचय–डॉ० ऋचा वार्ष्णेय 3049

डूँगरपुर जिले में भू-जल (एक भौगोलिक विश्लेषण)–डॉ० हर्षद रावल 3054

राज्य सरकार द्वारा संचालित अनुदानित एवं गैर अनुदानित प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कृत्य संतोष का अध्ययन –डॉ० मुकेश कुमार सिंह; सुमन सिंह 3062

मृण्मूर्तिकला के तकनीकी एवं विकास में शुंग एवं कुषाण कालीन कला का योगदान–काजल त्रिपाठी; प्रोफेसर अनामिका रॉय 3066

डॉ० रमेश चन्द्र शाह तथा श्री पंकज बिष्ट के उपन्यासों में चित्रित कुमाउँनी संस्कृति तथा लोक जीवन का तुलनात्मक अध्ययन–डॉ० सोनी काण्डपाल 3069

नई शिक्षा नीति 2020: एक समग्र अध्ययन–डॉ० सुरेन्द्र कुमार 3075

युग-युगीन परंपरा में प्रश्न और उनकी उपादेयता–डॉ० शिखा सक्सेना 3081

भारत में स्त्री-शिक्षा का विकास: एक अध्ययन–डॉ० श्याम सिंह गौर; डॉ० नीलम सिंह परिहार 3086

मनो-सामाजिक संदर्भ में नियोजित शिक्षकों में कार्य संतोष का अध्ययन–डॉ० रागिनी कुमारी 3090

अमरकान्त के साहित्य में बाजारवाद का वर्चस्व और मध्यम वर्ग का विवेचनात्मक अध्ययन–अंजनी शरण गुप्ता; रानी दुर्गावती 3094

निर्वाचन भूगोल में नवाचार का प्रभाव: उत्तर प्रदेश का एक भौगोलिक विश्लेषण–जय प्रकाश; डॉ0 संजय कुमार सिंह 3098

भूजल स्तर एवं कृषि विकास का तुलनात्मक अध्ययन - प्रतापगढ़ जनपद का भौगोलिक अध्ययन–रोहित कुमार मौर्य; डॉ० धनंजय उपाध्याय 3101

भारत-चीन संबंध के बदलते आयाम–प्रहलाद कुमार मीना 3104

भारतीय साहित्य में दलित चिंतन–डॉ० उपेन्द्र प्रसाद 3107

पर्यावरण प्रदूषण: एक गंभीर समस्या–पूजा 3109

ओशो संन्यासियों के सामाजिक जीवन का समाजशास्त्रीय अध्ययन, (ओशो ध्यान केन्द्र, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ से संबंधित संन्यासियों के विशेष संदर्भ में)–स्नेह कुमार मेश्राम 3113

मौखिक इतिहास लेखन:सन्दर्भ एवं विचार (पॉल थॉमसन की पुस्तकद वौइस् ऑफ द पास्ट के विशेष संदर्भ में)–रमेश कुमार 3118

सिवान जिला में शिक्षा एवं साक्षरता प्रतिरूप: एक शैक्षिक विश्लेषण–सुबोध कुमार चौहान 3122

नारी सशक्तिकरण में महात्मा गाँधी का योगदान–बबीता मीणा 3127

आपदा: भारत में बाढ़ के संदर्भ में–श्रीमती अंजना 3130

'कालीचाट' उपन्यास के संदर्भ में कृषक जीवन की समस्याएं–रचना 3133

वेदों में वर्णित जल चिकित्सा पद्धति–डॉ० मधु कुमारी 3136

ग्रामीण विकास में मनरेगा की भूमिका का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (रांची जिला के विशेष संदर्भ में)–डॉ० मिथिलेश कुमार 3140

गजल की लोकप्रियता में जगजीत सिंह का योगदान–डॉ० मुकेश 3145

हरियाणा के अहीरवाल क्षेत्र के भजनी व उनकी लोक गायकी–डॉ० रविन्द्र कुमार 3149

भारत में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का औचित्य–डॉ० अर्चना 3153

उत्तराखण्ड राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में शिक्षा का योगदान–डॉ० जे० पी० भट्ट 3156

''वैश्विक परिप्रेक्ष्य में स्वच्छता और भारत का "स्वच्छ भारत अभियान"–डॉ० अनुराधा जैन; पवन कुमार गुप्ता 3161

महिलाओं के राजनीतिक भागिदारी में गाँधीजी के सकारात्मक विचारों की प्रासंगिकता–सुनिता कुमारी; डॉ० अशोक राम 3165

अरुण प्रकाश की कहानियों में उमड़ती संवेदना–कोमल कुमारी 3170

दलित साहित्य और भारतीय भाषाएँ–डॉ० ई. विजय लक्ष्मी 3173

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में रोजगार सृजन पर मनरेगा का प्रभाव–भावना गंभीर; प्रो० विनोद कुमार पांडेय 3175

द्वितीय विश्वयुद्ध और क्रिप्स मिशन प्रस्ताव–डॉ० पिंकी कुमारी 3180

गुप्तकाल में विज्ञान और प्रौधोगिकी–डॉ० महेंद्र प्रसाद सिंह 3183

जीवन कौशल शिक्षा और शिक्षण विधियों का महत्व–डॉ० संजीव कुमार 3187

उपनिषदों में प्रतिपादित आत्मतत्त्व और ब्रह्म का सम्बन्ध–सावित्री 3192
भारतीय लोकतंत्र में जनता की भागीदारी–डॉ० संगीता कुमारी 3194
जोधपुर जिले में जलवायु परिवर्तन के तहत तापमान में परिवर्तन और वर्षा में बदलाव (1983 से 2017)–प्रेमा राम सांखला 3198
बिहार में जाति की राजनीति और चुनावों का इतिहास–रघुवीर कुमार रंजन; प्रो० मुनेश्वर यादव 3208
अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शिक्षा के बाधक तत्व: जनपद जालौन के सन्दर्भ में–अजय कुमार अहिरवार; डॉ० राजीव अग्रवाल 3213
बाल विकास में पारिवारिक योगदान–डॉ० बाबू राम मौर्य; निक्की टोप्पो 3217
इतिहास, इतिहास लेखन और उसकी प्रक्रिया–प्रोफेसर (डॉ०) निधि रायजादा; सुषमा रानी 3220
रबीन्द्र नारायण मिश्रक उपन्यासमे प्रवासी-समस्या–पंकज कुमार पंडित; डॉ० मीनू कुमारी 3224
मध्यकालीन बिहार में इतिहास-लेखन और इतिहासकार: एक अध्ययन–डॉ० सुनील कुमार सिंह 3227
समावेशी विकास के तहत वरिष्ठ नागरिको की सामाजिक सुरक्षा: अवधारणा और चुनौतियां–मुक्ता सिंह गोठवाल; डॉ० नूरजहाँ 3230
प्रारंभिक बौद्ध धर्म का स्त्री विशयक चिन्तन: एक अवलोकन–डॉ० आनन्द कुमार त्रिपाठी 3235
राजस्थान के विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में शारीरिक शिक्षा के प्रति छात्र एवं छात्राओं की अभिवृत्ति का तुलनात्मक विश्लेषण–डॉ० जी.एस. चौहान; देव कुंवर सोनी 3237
रेलवे कुलियो में शिक्षा, दक्षता एवं सांस्कृतिक पुर्नउत्पादन: एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण–नीरज कुमार राय 3243
मानवीय संवदेनाओं के परिप्रेक्ष्य में चित्रा मुद्गल का उपन्यास 'पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा'–गीतांजलि 3247
सामाजिक सरोकारों में नारी–डॉ० वर्षा रानी 3249
समकालीन हिन्दी काव्य में प्रतिरोध का स्वरूप और उसकी सार्थकता–डॉ० चंदन कुमार 3253
सार्वजनिक वितरण प्रणाली में एक देश, एक राशन कार्ड की भूमिका–कुमोद कुमार; डॉ० मो० जमीलुर रहमान 3259
शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009: मुद्दे और चुनौतियाँ–शशि प्रभा; डॉ० रेनू चौधरी 3263
वर्तमान औद्योगिक विकास और जलवायु परिवर्तन–डॉ० शिव कुमार सिंह 3269
कठगुलाब में स्त्री-विमर्श–डॉ० मीना कुमारी 3272
सोशल मीडिया एवं भारतीय युवा: प्रभाव एवं परिणाम–डॉ० एकता श्रीवास्तव 3276
नए व्यवसाय की स्थापना में आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच कौशल की आवश्यकता–डॉ० मणि अरोड़ा; शालिनी तिवारी 3279
मुस्लिम अल्पसंख्यक का शैक्षिक विकास: एक समाजषास्त्रीय अध्ययन–प्रो० डॉ० मो० शाहिद हसन; मो० हबीब 3284
भारतीय राजनीति में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 और उसके प्रभाव–रूचिर जोशी 3288
डॉ0 आंबेडकर की बुद्ध के शरण में जाने की यात्रा : दर्शन और पड़ाव–किस्मत कुमार 3292
वर्तमान शिक्षा प्रणाली में बौद्धकालीन शिक्षा की प्रांसगिकता–सरोज कुमारी 3296
सोलह संस्कार - क्या और क्यों?–ममता शर्मा 3302
माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता एवं संसाधनों की उपलब्धता में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति (एसएमडीसी) की भागीदारी –डॉ. संजीत कुमार साहू; कृष्ण कुमार चन्द्रा 3304
छायावाद और पं. मुकुटधर पांडेय–डॉ० अनिल कुमार भतपहरी 3309
पं० श्रीपाद दामोदर सातवलेकर कृत श्रीमद्भगवद्गीता पुरुषार्थबोधिनी भाषा टीका में मानवोचित आचार-परम्परा –प्रो० रूप किशोर शास्त्री; अंकुर कुमार आर्य 3312
सार्वजनिक वितरण प्रणाली में एक देश, एक राशन कार्ड की भूमिका–कुमोद कुमार; डॉ० मो० जमीलुर रहमान 3317
भोजपुर जिले में जैविक कृषि एवं विकास–डॉ० अर्चना कुमारी 3321
जायसी तथा घनानंद की प्रेम हृदय–डॉ० सीमा कुमारी 3324
भारतीय प्रशासन का सामाजिक एवं राजनीतिक विकास में भूमिका: एक अध्ययन–डॉ० सुमन कुमार झा 3328
उत्तर प्रदेश के सीमित परिवार सम्बन्धी घटकों के बारे में श्रमिकों के विचारों का विश्लेषण–डॉ० कुलदीप सिंह; डॉ० जी० बी० कश्यप 3332

पूर्णियाँ नगर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या का समाधान–मृणाल कुमार वर्मा 3337
कश्मीर आधारित उपन्यासों में लोकगीत–सत्यवान आर्य 3343
अज्ञेय के काव्य में संप्रेषणीयता–जयश्री काकति 3346
प्राचीन भारत में मंदिर निर्माण परंपरा एवं उनकी विशेषताएं–डॉ॰ सुखबीर सिंह 3355
सितार वादन में तिहाई की महत्ता–डॉ॰ सरिता कुमार 3358
प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी–मुकेश कुमार 3361
फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों में मुख्य स्त्री पात्र लक्ष्मी, ताजमनी, बेलागुप्त–रेखा टम्टा; डॉ॰ जगदीश चन्द्र जोशी 3364
अमरकान्त की रचनाओं में मानवीय मूल्यों की प्रासंगिकता–बृन्दा यादव 3368
छत्तीसगढ़ राज्य के उच्चत्तर माध्यमिक स्तर के उरांव जनजाति के विद्यार्थियों के अध्ययन आदत का अनवेषणात्मक अध्ययन: सरगुजा जिले के विशेष संदर्भ मे–सुनीता बेक 3371
आदिवासी-विस्थापन: समस्या और संदर्भ–डॉ॰ संजय कुमार सेठ 3378
वैश्विक परिदृश्य में हिंदी एवं रोजगार की संभावनाएं–डॉ॰ ज्योतेष चौहान 3382
एक देश- एक चुनाव का भारतीय संघवाद पर प्रभाव–मनीषा 3385
रविदास का काव्य और रसानुशीलन–सुमित कुमार 3388
प्राचीन काल के तन्त्री वाद्य–सुरेन्द्र कुमार; डॉ॰ आरती श्योकन्द 3391
रविन्द्रनाथ टैगोर के चिन्तन में दार्शनिक पक्ष–डॉ॰ सुमित्रा कुमारी 2936
मानवीय मूल्यों का सशक्त रक्षक : मानवाधिकार–डॉ॰ नागेन्द्र प्रसाद 3394
विस्थापन और हाशिए पर खड़ा आदिवासी जीवन–डॉ॰ शैलेश मरजी कदम 3396
नारी अतीतकाल से वर्तमान तक–डॉ॰ लाल बहादुर 3398
''सारण जिला में कृषि गहनता का प्रारूप: एक भौगोलिक विश्लेषण''–डब्लु बैठा 3400
अस्मितामूलक विमर्श के संदर्भ में 'आपका बंटी' उपन्यास का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन–डॉ॰ उर्वशी गहलौत 3404
अमृता प्रीतम के कथा साहित्य में धार्मिक विचारधारा–ज्योति सक्सेना 3408
भारतीय शहरों में कृषि के समाज और सामाजिक जीवन पर प्रभाव–डॉ॰ केशुभाई आर. ओडेदरा 3412
चेतना की मनोभूमि और उसकी साहित्यिक उपादेयता का अनुशीलन–आनंद सिंह 3416
मार्क्सवाद: वर्तमान राजनीतिक समाज के संदर्भ में–डॉ॰ उत्कर्ष उपाध्याय 3419
गुप्तकालीन मूर्ति कला की प्रमुख विशेषतायें–विवेक कुमार यादव 3423
जलवायु परिवर्तन और भारतीय कृषि: किसानों की धारणा, अनुकूलन और परिवर्तन की समीक्षा–रोमित आंतिल 3426
मुद्राराक्षस के नाटकों में कथ्यगत प्रयोगधर्मिता–नीतू कुमारी 3430
हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध साहित्य में विरलन–डॉ॰ पुष्पा कुमारी 3434
''भारत में क्षेत्रीय दलों की भूमिका'' एक संक्षिप्त अध्ययन–संयोग लाल 3438
नर्मदा की शब्द परिक्रमा 'सौंदर्य की नदी नर्मदा अमृतलाल वेगड़'–रिपल पटेल 3441
पुराणों में स्त्री विमर्श–डॉ॰ मनीलता पचानौत 3444
"टिप्पण एवं आलेखन की विविधताएं"–डॉ॰ एच॰ ए॰ हुनगुंद 3447
औपनिवेशिक काल में पत्रकारिता का शासकीय दमन–चन्दन आनन्द 3449
मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में स्त्री-चेतना–छोटे कुमार मंडल 3453
महात्मा ज्योतिबाफुले का दलित पत्रकारिता के उद्‌भव एवं विकास में योगदान–दुर्गेश कुमार देव 3455
कठोपनिशद् का वेदान्त दर्शन तथा योग दर्शन पर प्रभाव–श्रीमती सुशीला लोहार; डॉ॰ धीरज प्रकाश जोशी 3461
वैदिक संस्कृति में जीवन पद्धति का स्वरुप–डॉ. प्राची सिंह 3467

कैंसर रोगियों के दर्द, चिंता और अवसाद के रोगलक्षण पर संगीत चिकित्सा का मनोवैज्ञानिक प्रभाव–श्रीमती संध्या कुमारी 3474
जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम और उपचार पर जोर देने के साथ आयुर्वेदिक आहार और पोषण संबंधी सिद्धांतों की आलोचना –पूजा त्रिपाठी; श्रीमती संध्या कुमारी 3477
छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग-भिलाई नगरों की कार्यशील महिलाओं का आर्थिक स्तर–शिवेन्द्र बहादुर 3487
भारत में संघवाद के विकास में विभिन्न आयोग व समितियों की भूमिका–डॉ० अशोक कुमार यादव; मनीषा 3494
हिंदी साहित्य के विकास में छत्तीसगढ़ के साहित्यकारों का योगदान–डॉ० बृजेन्द्र पाण्डेय 3497
सामाजिक-राजनीतिक अलगाव के संदर्भ में गाँधीजी एवं विनोबा के विचार: एक विश्लेषण–डॉ० अरविन्द कुमार सिंह 3502
पुस्तकालय कर्मचारियों के प्रति उपयोगकर्ता का रवैया और संतुष्टि का स्तर ई-संसाधन के उपयोग मे: एक अध्ययन–डॉ० कन्हैया लाल शर्मा 3506
"महाभारत में प्राप्त साख्य एवं योग दर्शन सम्बन्धी अहंकार (महत्) इन्द्रिय वर्ग एवं तन्मात्रादि का विश्लेषण"–डॉ० सत्यप्रिय आर्य; मुकेश कुमार 3509
ग्रामीण विकास योजनाओं के संचालन में पंचायतीराज संस्थाओं की भूमिका का अवलोकन: छत्तीसगढ़ के सन्दर्भ में –श्रीमती राजेश्वरी बिसेन; डॉ. ए. के उपाध्याय 3514
गुरुगौरवीयम् महाकाव्य में रस तत्त्व विवेचन–डॉ० ललित कुमार गौड; लक्ष्मी कुमारी 3518
मुगलकालीन चित्रकला का भारतीय संस्कृति पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन–डॉ० अरविन्द कुमार यादव 3523
स्वतंत्रता संग्राम और नारी शक्ति–डॉ० ममता चावला 3526
भोजपुरी लोकसाहित्य में सभ्यता और संस्कृति के तत्व–हिमांशु खिड़िया 3530
शिशुपालवधम् में निरूपित नैतिक मूल्य–राज कुमार 3536
मार्क्स और एंगेल्स का द्वंद्वात्मक भौतिकवाद और भारत में इसकी प्रासंगिकता–डॉ० अशोक कुमार 3539
आचार्य मोहनलाल पाण्डेय कृत पद्मिनी उपन्यास में व्याप्त सुप्रथाएँ–राधाकिशन मीना 3542
जैजैपुर विकासखंड में महिला स्व-सहायता समूहों की भूमिका–डॉ० सुरेन्द्र कुमार यादव; ऋषि कुमार चन्द्रा 3545
योगाभ्यास का अनाथ किशोरों के आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन–पूर्णेन्द्र चन्द्राकर; डॉ० केवल राम चक्रधारी 3550
दूरस्थ शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका–डॉ० रमेन्द्र तिवारी 3554
हिन्दी-साहित्य में प्रर्यावरण विमर्श–डॉ० विद्याधर मेहता 3558
अमरकांत के उपन्यासों में यथार्थवाद: एक विश्लेषणात्मक अनुचिंतन–प्रो० (डॉ०) शिव शंकर मण्डल 3561
भारत और भूटान की राजनीतिक व्यवस्था का तुलनात्मक अध्ययन–अजय कुमार यादव 3565
दलित महिलाओं की स्थिति: सोनवा (ैव्छ।ट।) गाँव के सन्दर्भ में समाजशास्त्रीय अध्ययन–डॉ० सीमा आनन्द 3570
नगरीय एवं ग्रामीण वृद्ध व्यक्तियों की राजनीतिक गतिविधियाँ: एक अध्ययन–डॉ० सुनीता त्रिपाठी; आलोक कुमार माहेश्वरी 3575
महिला आन्दोलन–डॉ० पूनम वर्मा 3580
शास्त्रीय संगीत कलाओं में श्रोताओं की भूमिका–अंजली शर्मा 3582
विरमगाम के उज्ज्वल मोती छोटेलाल पारेख–पटेल बाबूभाई अमराभाई 3584
नागार्जुन के प्रमुख उपन्यासों में वस्तु-विन्यास–डॉ० मनोज कुमार 3587
आदिवासी विमर्श–'धार' उपन्यास के संदर्भ में–पूजा यादव 3589
ग्रामीण क्षेत्रों एवं पिछड़े वर्गों के लिए सतत शिक्षा–सुचिता सिंह 3592
20वीं सदी में महिलाओं की राजनीति में सहभागिता–श्रीमती लक्ष्मी सक्सेना; डॉ० ललित मोहन शर्मा 3596
चित्रकला में नारी का स्वरूप: अनुपम सूद के संदर्भ में–नीतू नरवाल 3599
महिला आत्मकथा लेखन: टूटते मिथक एवं मानदण्डों मे बदलाव–विद्या देवी पटेल; डॉ० सुजाता चतुर्वेदी 3603
इतिहास और कल्पना की दृष्टि से दसमत कैना की विवेचना–डॉ० स्नेहलता निर्मलकर; श्री मिथलेश सिंह राजपूत 3607
आधुनिक युग-संदर्भ और कबीर की काव्य दृष्टि–डॉ० योगेंद्र कुमार 3610
डिजिटल अर्थव्यवस्था पर मीडिया प्रभाव–मोनिका कुमारी 3614
21वीं सदी के प्रवासी साहित्य में नारी संवेदना–शीला 3619
भारतीय महिला सशक्तिकरण के लिए डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के योगदान पर एक विश्लेषणात्मक अध्ययन–डॉ० साक्षी मेहता; संगीता सिंह 3624

प्रगतिशील साहित्य में राजनीतिक एवं आर्थिक बदलाव–डॉ० दयानन्द मसाजी शास्त्री	3628
बाबा साहब भीमराव अम्बेड़कर का नारी के संबंध में दृष्टिकोण–डॉ० सुमित्रा कुमारी	3630
भूस्खलनः एक प्राकृतिक आपदा–डॉ० उर्मिलेश सिंह	3633
राहुल सांकृत्यायन के यात्रा साहित्य में चित्रित विभिन्न परिस्थितियांः गहन चिंतन–डॉ० हेमन्त पाल घृतलहरे	3635
प्राचीन भारत में पाञ्चरात्र सम्प्रदाय का भौगोलिक विस्तार–शारदा वर्मा; नवीन	3638
फूलचंद गुप्ता की कविता में निरुपित संवेदना के स्वर–हिना एस. राठोड	3642
दलितचेतना को छू ने वाली कृति 'धारावई'–भगोरा शीतलकुमारी राजुभाइ	3646
संस्कारेषु विवाह संस्कारस्य महत्त्वम्–डॉ० ठाकुर राणा	3648
भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में चंपारण आंदोलन का महत्व–खालिक हुसैन	3653
सांख्यकारिका मे मूलप्रकृति एवं पुरुष का स्वरूप–वितेश कुमार	3656
21वीं सदी के प्रवासी साहित्य में नारी संवेदना–शीला	3660
प्रभा खेतान के आत्मकथा ''अन्या से अनन्या और उपन्यास ''छिन्नमस्ता'' में समानता''–सुष्मिता श्रीवास्तव	3666
शैलेश मटियानी के उपन्यासों में महानगरीय बोध–अभिषेक गुप्ता	3669
मातृत्व के अंशों में समायोजित लोरी के सृजनात्मक तत्वों का समीक्षात्मक अध्ययन–डॉ० संध्या पुजारी	3673
ध्यान-साधकः नास्तिकों की सजगता आस्तिकों से अधिक–डॉ० अवनिन्द्र कुमार	3678
भारत-अमेरिका संबंधों की गुटनिरपेक्ष आन्दोलन में भूमिका-एक समीक्षात्मक अवलोकन–नीरू यादव	3683
सूरदास की भक्ति-भावना–डॉ० नमिता जैन	3687
पाकिस्तान में संजातीय राष्ट्रवाद का उद्‌भव तथा विकास–डॉ० कमला; सुनिल कुमार	3690
भक्ति और संगीत का पारस्परिक सम्बन्ध–डॉ० प्रेम किशोर मिश्र	3693
Walden (पथ की खोजः) Henry Devid Thoreau (अनुवादः वीरेनद्रकुमार गुप्त)–डॉ० सीमा राठौर	3697
राजस्थान में महिला उत्पीड़न व पुलिस की भूमिका–डॉ० राजेन्द्र प्रसाद सैनी	3701

राजस्थान में महिला उत्पीड़न व पुलिस की भूमिका

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद सैनी

प्राचार्य, श्रीकृष्ण महाविद्यालय, गोविन्दगढ़, जयपुर

महिलाओं के सन्दर्भ में पुलिस की भूमिका पर चर्चा करने से पूर्व 'समाज में नारी की स्थिति' पर भी थोड़ा विचार करना आवश्यक लगा। भारत भूमि आदिकाल से ही स्त्री प्रधान रही है, इसलिए इसे भारत माँ के नाम से पुकारते है। नवरात्रों के दिनों में नारी के रूप में देवी के विभिन्न रूपों और उनकी विभिन्न एवं विशेष शक्तियों की पूजा अर्चना की जाती है तथा पुरुष स्वयं भी अपने को 'नारी शक्ति' के संरक्षण में सुरक्षित पाता है। भारत की सभ्यता एवं संस्कृति वेदों पर आधारित है। "मातृ देवो भव:" का नीति श्लोक तैत्तरीय उपनिषिद में उल्लेखित है। अत: मूल भारतीय सामाजिक व्यवस्था में स्त्रियों को सुख सम्पत्ति, ज्ञान एवं शक्ति का प्रतीक माना है, जिसकी अभिव्यक्ति के रूप में लक्ष्मी, सरस्वती, पार्वती और दुर्गा की पूजा की जाती है। समाज में महिलाओं को सम्मान, समान सहभागिता एवं उसके गौरव के प्रति हमारी संस्कृति विश्व के अन्य देशों से अनूठी, भिन्न एवं मौलिक है। समय-समय पर इनमें पुनीत एवं सराहनीय सहयोग से ही हमारे देश ने सारे विश्व का नेतृत्व करके जगद्गुरु का नाम भी पाया है। नारी को दार्शनिक रूप में जगत जननी जैसे सम्मानपूर्ण अलंकरणों से सुशोभित किया गया है, इसलिए कहा गया है कि "यत्र नर्मस्तुते पुजन्ते, रमयन्ते तत्र देवता" अर्थात् 'जहाँ नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं' का वास होता है, का आदर्श समाज में व्याप्त था।

हमारे देश का गौरवपूर्ण इतिहास व प्राचीन ग्रन्थ इस तथ्य के साक्षी है कि महाभारत और रामायण काल में भी हमारे देश की सुशिक्षित विदुषी नारियों ने जीवन के हर क्षेत्र में पुरूषों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर सामाजिक सुरक्षा, ज्ञान, धर्म, राजनीति के साथ-साथ देश व राष्ट्र के सम्मानजनक विकास में अपना सक्रिय योगदान दिया है। गार्गी, मैत्रेयी, अनुसूया, सीता, सावित्री, उर्मिला, यशोधरा, लक्ष्मी बाई, पन्ना धाय जैसी अनेक नारियाँ इस देश में जन्मी जिन्होंने स्वयं को ज्ञान, जप, तप, त्याग, तपस्या, धर्म, कर्तव्यनिष्ठा, समाज सेवा आदि सद्गुणों से सुसज्जित करके राजनीति में भी अपना सक्रिय योगदान दिया है।

प्राचीन काल में स्त्री द्धमहिला) पुरूष की अद्धांगिनी सहचारिणी थी किन्तु मध्यकाल में हिन्दु शास्त्रकारों द्वारा स्त्रियों पर अनेक प्रकार के प्रतिबंध लगा दिए गए। सम्भवत: वंश की सुरक्षा एवं समाज व परिवार के स्वस्थ्य संचालन के लिए लगाये गये इन प्रतिबंधों के कारण समाज में स्त्री की स्थिति धीरे-धीरे सोचनीय होने लगी। धर्माचार्यो ने स्त्री को स्वतन्त्रता, शिक्षा और सम्पत्ति के अधिकारों से वंचित कर दिया जिससे उसके स्वतन्त्र विचरण एवं ज्ञान अर्जित करने की चाह और स्वाभिमान के साथ जीने की राह को ग्रहण लग गया। जिससे वह पिछड़ेपन का शिकार होकर विकास के मार्ग से विमुख होती चली गयी, उसकी प्रगतिशील हर गतिविधि घर के आंगन तक ही सिमट कर रह गयी।

अंग्रेजों के शासनकाल में उन्होंने अपने निजी हित में कम्पनी के माध्यम से भारतीय जागीरदारों, जमींदारों, नवाबों एवं राजाओं से सम्पर्क करके अपनी कूटनीति से उनके शासन प्रशासन में हस्तक्षेप करते हुये अपनी शक्ति को बढ़ाया और सारे देश पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया फिर उन्होंने अपनी भाषा, वेश-भूषा, रहन-सहन के तौर-तरीकों व अपनी संस्कृति को भी भारतीयों पर थोपना शुरू कर दिया।

भारतीय संस्कृति के शाश्वत मूल्यों- सत्य, अहिंसा, संयम, सहिष्णुता आदि के सहारे लड़े गये स्वतन्त्रता संग्राम ने हमें भौतिक आजादी तो दिला दी किन्तु हम अंग्रेजों की मानसिकता से छुटकारा नहीं पा सके। 1885 के बाद अनेक समाज सुधारकों के विरोध से इनमें सुधार हुआ जैसे राजाराम मोहन राय ने सती प्रथा का उन्मूलन, बाल विवाह तथा पर्दा प्रथा आदि कुरीतियों के विरूद्ध कदम उठाये। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह के लिए आन्दोलन चलाया व स्त्री शिक्षा की वकालत की। स्वामी दयानन्द सरस्वती, स्वामी विवेकानन्द और महात्मा गांधी ने स्त्रियों के राजनैतिक, सामाजिक अधिकारों के प्रति रूचि दिखाई। इन सबने स्त्रियों के समान अधिकारों व मुक्ति के लिए सामाजिक चेतना जागृत करने का प्रयास किया। इसके साथ ही महिला संगठनों का उदय हुआ जैसे बंग महिला समाज व महिला थियोसोफिकल सोसायटी आदि। स्त्रियों के लिए आधुनिक आदर्शो के लिए महिला संगठन स्थानीय स्तर पर कार्यरत थे, इनमें पाँच प्रमुख संगठन-भारत महिला परिषद (जो 1904 में स्त्रियों की मुक्ति हेतु संघर्ष प्रारम्भ किया गया), भारत स्त्री मण्डल (1910 में स्थापित), महिला भारतीय संघ (1917 में ऐनीबीसेन्ट द्वारा संचालित), भारतीय महिला परिषद (1925 में लेडी एबरडन तथा लेडी टाटा द्वारा प्रारम्भ किया गया) एवं ऑल इण्डिया विमेन्स कॉन्फ्रेंस द्धमार्ग्रेट कसिन्स तथा अन्य द्वारा 1927 में स्थापित)।

इन सब संगठनों ने स्त्रियों की शिक्षा, पर्दा प्रथा व बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराईयों का उन्मूलन हिन्दु अधिनियमों में सुधार, स्त्रियों की नैतिक व मौलिक प्रगति, अधिकारों व अवसरों की समानता और स्त्रियों के मताधिकार जैसे मामलों को उठाया। किन्तु इन सबके बावजूद आज भी महिलाएँ पुरूष के प्रभुत्व से मुक्त नहीं हो पा रही हैं। सामाजिक, नैतिक व मनोवैज्ञानिक आयामों में भी महिलाओं की स्थिति पुरूषों के समरूप नहीं है। उसकी निष्ठा उसके जीवन के स्वरूप के सन्दर्भ पर निर्भर करती है, जब वह अपना प्रौढ़ जीवन शुरू करती है तब उसका अतीत पुरूष जैसा नहीं होता समाज के द्वारा उसका मूल्यांकन बिलकुल भिन्न परिप्रेक्ष्य में होता है। एक बड़ी संख्या में महिलाएँ मुक्ति प्राप्त करने में असफल रहती है क्योंकि वह परम्परागत नारी जगत् के घेरे से बाहर नहीं निकल पाई और उन्हें न तो समाज से और न ही पति व परिवार से आवश्यक सहायता मिल पाती है। नि:सन्देह आज भी वह पुरूषों के अत्याचारों का शिकार हो रही है।

आधुनिक काल में स्त्रियों के समक्ष एक और मध्यकालीन आचार्यों के शास्त्रीय बन्धनों से आजाद होने की उत्सुकता है तो दूसरी ओर पाश्चात्य संस्कृति की चमक-दमक और भौतिकवाद की आंधी, भूमण्डलीकरण एवं उपभोक्तावादी संस्कृति ने यहां की महिलाओं पर और अधिक कहर ढ़ाये। शिक्षा, समानता और स्वतन्त्रता के अधिकारों की समुचित उपलब्धि महिलाओं को नहीं मिल पायी। परम्परागत सांस्कृतिक मूल्य उनके अपने पांवों की बेड़ी बनते गये जिसे तोड़कर वह बाहर निकलने का जैसे-जैसे प्रयास करती गयी वैसे-वैसे उसके साथ शोषण, अभद्रता बढ़ती गयी। सैद्धान्तिक रूप से स्त्रियों को अधिक स्वतन्त्रता देने की बात कही गई लेकिन सत्य यह है कि वे अभी भी अमानवीय व अनुचित व्यवहार भोग रही है तथा अपमान व शर्म के अलावा उन्हें कुछ नहीं मिला। स्त्रियों को निरन्तर निकृष्ट, आश्रित तथा शोषण के चंगुल से बचाने के प्रयत्न तो किये गये लेकिन न के बराबर और वे भी योजनाबद्ध तरीके से नहीं। पितृसत्तात्मक मानसिकता एवं सामन्ती सोच का ही परिणाम है कि उसे यह सब आज भी झेलना पड़ रहा है।

नारी को देवी से दीना यानि कि दीन-हीन अवस्था में पहुंचाने वाला भी यही समाज है। आज आम आदमी की धारणा बनी हुई है कि स्त्री सुन्दर, सुशील, सहनशील, त्यागी, पढ़ी-लिखी हों पर गृहकार्य में दक्ष एवं आज्ञाकारी हो जो कुल या वंश के लिए संतान को जन्म देने, उसका लालन-पालन कर अपने सास-ससुर एवं पति की सेवा कर प्राणांत तक परिश्रम कर अपने घर को सम्भाले व बिना किसी प्रतिवाद एवं प्रतिक्रिया के वह अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहे। नारी को एक उपभोग की वस्तु मानकर उसका मनचाहा शोषण करते रहे। उसे लूटा, छीना व पीटा जाता है. खरीदा बेचा जाता है, उसकी हर इच्छा को कुचला जाता है, सारे रीति-रिवाज, मान्यताएं व अंकुश केवल महिलाओं के लिए ही है क्योंकि पुरूष प्रधान समाज ने महिला को दोयम दर्जा ही प्रदान किया है। उसे परिवार, समाज व राष्ट्र की मुख्य धारा से नहीं जोड़ा गया बल्कि हाशिये पर रखा गया। कभी उसे स्नेह, त्याग, ममता के नाम पर ठगा गया तो कभी उसे अपनी प्रतिभा की पहचान, शारीरिक स्थिति की दुहाई देकर तो कभी बदनामी का डर दिखाकर दबाया गया। आज महिला न घर में सुरक्षित है और न ही बाहर।

समाज में नारी की स्थिति पर विचार करते वक्त सारा ध्यान व चिन्तन मुख्य रूप से महिला उत्पीड़न एवं महिलाओं के साथ हो रही हिंसा व उसके विभिन्न पहलुओं की ओर आकर्षित हुआ। 21वीं सदी में जहाँ एक और 'महिला सशक्तीकरण' का शंखनाद बज रहा है, वहीं दूसरी ओर उसके साथ होने वाला अत्याचार व हिंसा निरन्तर विविध रूपों में बढ़ते जा रहे है। महिला उत्पीड़न, अपमान, शोषण (सब तरह का), दमन, तिरस्कार एवं यंत्रणा उतना ही प्राचीन है जितना कि पारिवारिक जीवन का इतिहास। इसका मूल कारण है स्त्री और पुरूष के बीच असमानता तथा भेदभाव, जान बूझकर उसे सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक रूप से पुरूषों से बहुत पीछे धकेला गया है। मेमार्गी: ने हिंसा को परिभाषित करते हुये लिखा है कि "ऐसा कार्य जो जानबूझकर, धमका कर या बलपूर्वक किया गया हो जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति को आघात पहुंचा हो या उसके सम्मान को ठेस लगी हो।"

घरेलू हिंसा-महिलाओं के साथ होने वाली घरेलू हिंसा व्यक्तिगत एवं सामूहिक दोनों स्वरूप में है जिसमें महिला को उसी परिवार के किसी सदस्य द्वारा दी जाने वाली यातनाएं-क्रूरता, उत्पीड़न, प्रताड़ना तथा शोषण या इनकी संभावना या शारीरिक, मानसिक, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक, मौखिक, लैंगिक, भौतिक, आर्थिक, दुर्व्यवहार आदि स्वरूपों के साथ उसे अपने अधिकारों से वंचित रखना भी सम्मिलित है। घरेलू हिंसा प्राय: अदृश्य होती है जो कि अनेक स्वरूप लिये हुई होती है जैसे- भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक एवं मौखिक रूप से महिला को परेशान करना, ऐसा व्यवहार व अनाचार करना जो महिला के मानसिक सन्तुलन को बिगाड़ दे या उसकी सम्भावना दिखाई दे, जैसे महिला का अपमान करना, गाली-गलौच द्वारा सम्बोधित करना या ऐसे किसी नाम से बुलाना व बोलना जो वांछनीय नहीं हो इडियट, बेवकूफ, कॉमनसेंस नहीं, नॉनसेन्स, निपूती कहना, दहेज न लाने के ताने सुनाना, शरीर संरचना, आकार या रंग-रूप पर टिप्पणी करना, पीहर वालों को भला बुरा कहना, रात में नींद नहीं लेने देना, झूठे आरोप लगाना, बदचलन कहना, पत्नी के साथ विश्वासघात करना, बांझ कहना, उपेक्षापूर्ण व्यवहार करना, पत्नी या बहु पर भ्रूण परीक्षण का दबाव डालना, डराना-धमकाना, मानसिक व भावनात्मक कष्ट पहुंचाना आदि।

शारिरीक प्रताड़ना देना जैसे महिला के शरीर पर किसी प्रकार की चोट, प्रहार या हमला करना, मारना-पीटना, शरीर के किसी अंग को नुकसान पहुंचाना, सुई चुभोना, सुलगती हुई सिगरेट/बीड़ी या अन्य वस्तु महिला के शरीर पर मलना, जलाकर मार देना, अनावश्यक प्रतिबंध लगाना, जबरन गर्भपात करवाना, खाना नहीं देना, बीमारी में इलाज नहीं करवाना, घर से बाहर निकाल देना, घर में बंधक बनाकर रखना आदि सभी महिला के साथ शारीरिक उत्पीड़न के ही स्वरूप कहे जा सकते है।

यौनिक उत्पीड़न में महिला के साथ जबरन संभोग, यौनिक यातना, चरित्र हनन करना, झूठा आरोप लगाना, सगे-सम्बन्धियों द्वारा देह शोषण, विवाह या नाते के नाम पर माता-पिता द्वारा अपनी ही पुत्री का देह व्यापार व सौदेबाजी, अनैतिक जीवन जीने के लिए विवश करना, माता-पिता या पति द्वारा वेश्यावृत्ति करवाना, ससुर, जेठ, देवर, जीजा, चाचा, मामा, मौसा, चचेरे भाई यहां तक कि सगे भाई और पिता द्वारा बलात्कार करना आदि महिला यौन उत्पीड़न के मामले है। आज 3 माह की बच्ची से लेकर 60-70 वर्ष की वृद्ध दादी के साथ भी यौनिक उत्पीड़न की घटनायें घर की चारदीवारी में घटित हो रही है। खून का रिश्ता भी नहीं रोक पा रहा है हवस के मामले।

आर्थिक प्रताड़ना में महिला को आर्थिक नुकसान पहुंचाना, महिला से आर्थिक संसाधनों को छीनना तथा आर्थिक अधिकारों से उसे वंचित करना शामिल है, आर्थिक लाभ के लिए उससे देह व्यापार, वेश्यावृत्ति जैसे अनैतिक कार्य करवाना, रोजमर्रा की आवश्यक चीजों से वंचित रखना, घर में खाने-पीने का सामान नहीं डलवाना, भोजन उपलब्ध नहीं करवाना, पैसे नहीं देना, भरण-पोषण नहीं करना, अभावग्रस्त जीवन जीने के लिए विवश करना, बिना उसकी सहमति के उसकी सम्पत्ति को बेचना, नष्ट करना, हक जमाना या उसका प्रयास करना, दहेज की मौखिक मांग करना, (रिश्तेदारों से कहलवाना भी शामिल है) पत्नी की नौकरी छुड़वाना आदि महिलाओं के साथ आर्थिक उत्पीड़न के स्वरूप आये दिन देखने को मिलते है।

इस तरह बलात्कार, अपहरण, व्यपहरण, भगा ले जाना, हत्या, दहेज हत्या (आपराधिक हिंसा के सभी मामले), पत्नी को पीटना, यौनाचार, विधवा या बड़ी उम्र की महिला के साथ दुर्व्यवहार (घरेलू हिंसा के सभी मामले), छेड़छाड़, पत्नी या बहु को मादा भ्रूण हत्या के लिए बाध्य करना (सामाजिक हिसा के सभी मामले) ये सब ऐसे वाद बिन्दु है जो समाज के एक बड़े भाग को प्रभावित करते है और सब महिला उत्पीड़न की श्रेणी में आते है। घर के सदस्य से लेकर पड़ोसी, राह चलते मनचले, संरक्षक, सहकर्मी, अधिकारी, नियोक्ता, मालिक, मंत्री, पुलिसकर्मी, कोई भी, कहीं भी औरत का शोषण करने से नहीं

चुकते। महिला घर-परिवार, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, मंदिर, सर्किट हाउस, अदालत, थानों एवं कार्यस्थलों में कहीं पर भी स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर पाती। आये दिन पत्र-पत्रिकाओं में एवं इलेक्ट्रोनिक मीड़िया की प्रमुख खबरों के रूप में ऐसी वारदातें व उत्पीड़न देखने, सुनने व पढ़ने को मिलते है।

महिला काम (नौकरी) करने के लिए अथवा निजी घरेलू कार्य से घर से बाहर निकले तो उसे तरह-तरह के शोषण का शिकार होना पड़ता है। कभी उससे भद्दे-भद्दे मजाक किये जाते है तो कभी नौकरी से निकाल देने, परीक्षा में फेल करने/करवा देने का भय दिखाकर उससे अभद्र प्रस्ताव किये जाते है, कभी उसे लालच, तरक्की या बदनाम करने के नाम पर शोषित किया जा रहा है। कहीं औरत की देह की नुमाइश करके पोर्न फिल्मों के जरिये रूपये कमाने का जरिया बना रखा है, तो कहीं बहला-फुसलाकर व मजबूरी का फायदा उठाकर उन्हें यौनकर्म में धकेला जा रहा है, तो कहीं उनसे अवैध मजदूरी, अवैध शादी, भिक्षावृत्ति व नशे के धन्धों में काम करवाकर शोषण किया जा रहा है। महिलाओं व लड़कियों को धोखेबाजी, मारपीट, दबाव, गाली-गलौच, बलात्कार और जिस्मफरोशी के जरिये बाजार में उतारा जा रहा है। यह सब महिलाओं के साथ होने वाले शोषण व उत्पीड़न को दर्शाते है। इन सब के चलते आज महिला उत्पीड़न प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। उदाहरण स्वरूप देश की राजधानी में एक स्विस महिला राजनयिक के त्ताथ बलात्कार, ट्रेन में टिकिट निरीक्षक द्वारा महिला यात्री का बलात्कार, राजस्थान के बीकानेर जिले में एक कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा एक महिला को एक रात अपने साथ बिताने का प्रस्ताव, एक दरिख न्यायाधीश द्वारा एक महिला चिकित्सक के सामने हम बिस्तर होने का प्रस्ताव करना, स्कूली छात्रा से बलात्कार करने के लिए अत्यधिक क्लोरोफोर्म सूंघा देने से उसकी मृत्यु का मामला, विधवा द्वारा सहवास की सहमति नहीं देने पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने व मार देने का मामला, आये दिन साधुवेश में ढोंगी बाबा इलाज के बहाने महिलाओं का यौन शोषण, ससुर द्वारा अपनी पुत्रवधु के साथ बलात्कार, पिता द्वारा बेटी का यौन शोषण, भाई द्वारा बहिन का बलात्कार आदि घटनायें व वारदातें यही दर्शाती है कि महिलाओं का यौन उत्पीड़न चरम सीमा पर है।

सन्दर्भ सूचीः-

1. आहुजा, डॉ. रामः भारतीय सामाजिक व्यवस्था, रावत पब्लिकेशन, जयपुर, तृतीय संस्करण, 2003
2. जैन, डॉ. लाडकुमारीः महिलाओं के विरुद्ध घरेलूः कुछ विचारणीय पक्ष, राज्य शास्त्र समीक्षा, अर्द्धवार्षिक शोध पत्रिका, राजनीति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, अप्रैल, 2002, वर्ष 31, अंक 1-2
3. कनुप्रियाः मासूम बच्चियों की कीमत पर पनपता सैक्स बाजार, विविधा फीचर्स, महिला सन्दर्भ एवं आलेख केन्द्र, जयपुर, अंक 58, वर्ष 3, 2004
4. यादव, गीताः महिला उत्पीड़न जारी है, विविधा फीचर्स, महिला आलेख एवं संदर्भ केन्द्र, जयपुर, अंक 75, वर्ष 4, 2004
5. दी नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरोः वार्षिक रिपोर्ट, नई दिल्ली (NCRB), 2000 व 2003
6. वार्ष्किक पुलिस प्रतिवेदन 2005, राजस्थान पुलिस मुख्यालय, जयपुर, पेज नं. 17
7. अंसारी, एम.ए.: महिला और मानवाधिकार, ज्योति प्रकाशन, जयपुर, प्रथम संस्करण, 2000
8. शक्ति, राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था 'रूवा', 2005
9. शक्ति, राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था 'रूवा', स्वर्ण जयन्ती विशेषांक, 2000, 2001
10. भट्टाचार्य, प्रो. त्रिदिवेशः भारतीय दण्ड संहिता, सेन्ट्रल लॉ एजेन्सी, इलाहाबाद, चतुर्थ संस्करण, 2005, पृ. सं. 424,519,520,570,577,676
11. बाबेल, डॉ. बसन्तीलालः दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973, सेन्ट्रल लॉ पब्लिशिंग, इलाहाबाद, 2001